AgroStar®

PYRAMIT

PYMETROZINE 50% WG
(Insecticide)

पिरामिट

पाईमेट्रोजिन 50% डब्ल्यू. जी.
(कीटनाशक)

For Agricultural Use Only
केवल कृषि उपयोग के लिए

INSTRUCTIONS
READ THE LEAFLET BEFORE USE

सुचना
उपयोग से पहले पत्रक पढ़ें।

Manufactured & Marketed by
ULINK AGRITECH PRIVATE LIMITED
Office Nos. 001 And 002, Ground Floor Wing “A” And Nos. 003 And 004, Ground Floor Wing “B”, Nyati Tech Park, Wadgaon Sheri, Pune - 411014, Maharashtra

Manufactured At

Unit Code	Factory Address	Mfg. Lic. No.
AGK	Unit I - Shed No 73/B, Survey No 73, Juni Jithardi, Taluka Karjan, Vadodara, Gujarat - 391240	GJ-AHM-01213
AGP	Unit II - Facility B-1, Plot No. 238/1/A, GIDC Estate Panoli, Ankleshwar, Bharuch Gujarat-394115	GJ-BHA-01485
AGB	Unit III - Khasra No. 713/4, Gram Dahmi Khurd, The. Sanganer, Bagru, Jaipur - 303007.	ML/JDPP/2025-26/221

Check first 3 letters of batch number for Plant & Manufacturing License number, where it is manufactured.

Visit your nearest AgroStar Laal Dukaan | Scan to download the AgroStar app | For customer feedback contact us: info@agrostar.in 9503095030 or customer service team at the above address

PYMETROZINE 50% WG
(Insecticide)

Pymetrozine 50% WG is a systematic insecticides and recommended for the control of Brown plant hopper in Rice crop. Foliar pest not directly hit by the spray are also controlled by Pymetrozine 50% WG pest stop feeding and die gradually after coming in contact with its spray. Caution : - Pymetrozine 50% WG is not to be used on crops other than specified in this leaflet.

Recommendation

		Dosage/HA				
Crop(s)	Common Name of Pest	AI (gm)	Formulation (ml)	Dilution in Water (Liter)	Waiting Period between last spray to harvest (Day)	Re-entry after each Application (In Hours)
Rice	Brown plant hopper	150	300	500	19	

Direction Of Use
Measure the required quantity of insecticides and mix it in small quantity of water and gradually add the rest of the water to prepare solution. Apply with knapsack sprayer when pest appears on the crop and repeat if necessary as per pest incidence. Maximum two sprays to be given starting first spray at initial pest infestation reaching Economic Thershould Level (ETL).

Time of Application
When used as per the recommendations given below Pymetrozine 50% WG provide control of Brown plant hopper in Rice crop.

Precautions
Do not use cooking utensils for preparing the spray solution. Use stick for stirring the spray solution. Avoid contact with Skin, Eye and clothing. Avoid inhalation of fog and vapor. Wear hand gloves and boot while handling the product. Do not eat, drink or smoke while applying the product. Wash hand with soap and plenty of water and change clothe after the work is over. Avoid contamination of air and water bodies with the insecticide also wash the contaminated clothes.

Symptoms Of Poisoning
Acute systemic toxicity in unlikely unless large amounts have been ingested. The symptom of poisoning may be irritation of eyes, skin and respiratory tract, hypoactivity, lacrimation, dypsea, soft stool, red stained urine, tremors, hypothemic to touch, erythema etc.

First Aid
Remove affected person to a well ventilated area or fresh air and protect him from undercooling.
1. In case of skin contact: Remove contaminated clothing and thoroughly wash the affected parts of the body with soap and water.
2. In case of Eye contact: Rinse eyes with clean water for several minutes.
3. In case of Ingestion: Get the attention of the medical doctor immediately.
Note: Do not induce vomiting or never give anything by mouth to an unconscious person. Rinse the mouth with water and give one or two glass of water to drink if conscious and alert.

Phytotoxicity: Refer to CIB Guidelines

Antidote
No specific antidote is known. Treat symptomatically.

Disposal Of Used Container
1. The packages shall be broken and buried away from habitation.
2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use.
3. Packages or surplus material and washing should be disposed off in safe manner so as to prevent environment or water pollution.

Storage Conditions
1. Packages containing the insecticides shall be stored in separate rooms or premises away from the room or premises use for storing the other articles or shall be kept in separate almarihs under lock and key depending upon the quantity and nature of the insecticides.
2. The room or the premises meant for storing the insecticide, shall be well built, well lit, well ventilated and sufficient dimension to avoid contamination with vapour.

Chemical Composition

S. No.	Ingredient/Description	Weight
1	Pymetrozine a.i.	50.00% w/w
2	Lignosulfonic acid sodium salt	10.00% w/w
3	Mixture of isomers of dibutylnaphthalene sulfonic acid sodium salt	05.00% w/w
4	Polydimethylsiloxane (Antifoaming agent)	00.20% w/w
5	Sodium Sulphate (Carrier)	05.00% w/w
6	Urea, polymer with formaldehyde	10.00% w/w
7	Silicum oxide	Q.S. %
	Total	100% w/w

Caution: Not to be used on crops other than specified on this leaflet.

English

पाईमेट्रोजिन 50% डब्ल्यू. जी.
(कीटनाशक)

पाईमेट्रोजिन 50% डब्ल्यू.जी. एक अंतरप्रवाही कीटनाशक है। पाईमेट्रोजिन 50% डब्ल्यू.जी. की सिफारिश धान में आने वाले भूरा पत्ती टिड्डा के नियंत्रण के लिए की जाती है। जो कीट इस कीटनाशक के सीधे संपर्क में नहीं आते यह उनको भी रोकता है। कीट स्प्रे के संपर्क में आते ही खाना बंद कर देते हैं और कुछ दिन में मर जाते हैं। सावधान: पाईमेट्रोजिन 50% डब्ल्यू.जी. का इस्तेमाल इस लीफलेट (पर्चा) में दर्शायी गई फसलों के अलावा किन्हीं और फसलों में नहीं करना चाहिए।

उपयोग

		प्रति हैक्टेयर मात्रा				
फसल	कीट का सामान्य नाम	स. तत्व (ग्राम)	संरचना (मि.ली.)	पानी की मात्रा (लीटर)	अन्तिम छिड़काव तथा फसल काटने के बीच अन्तराल (दिन)	पुन: प्रवेश की अवधि प्रत्येक छिड़काव के बाद (घंटे)
धान	भूरा पत्ती टिड्डा	150	300	500	19	-

उपयोग के लिए दिशा-निर्देश
कीटनाशक की निर्धारित मात्रा को थोड़े पानी में घोल लें। अच्छे से घुलने पर बाकी पानी मिला लीजिए। कीटनाशक का इस्तेमाल कीट के दिखाई देने के तुरंत बाद और उसके बाद यदि आवश्यकता हो दोबारा स्प्रे करके मौजूदगी के आधार पर नैपसेक स्प्रेयर से करें। अधिकतम दो स्प्रे का छिड़काव करें। प्रथम छिड़काव कीट का प्रकोप शुरू होने पर एवं अधिक हानि के स्तर (ई.टी.एल.) की अवस्था पहुँचने पर करें।

प्रयोग का समय
नीचे दिए गए सिफारिशों के अनुसार पाईमेट्रोजिन 50% डब्ल्यू.जी. का इस्तेमाल करने से धान में आने वाले भूरा पत्ती टिड्डा का नियंत्रण किया जा सकता है।

प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां
स्प्रे तैयार करने के लिए खाना बनाने वाले बर्तनों का इस्तेमाल न करें। स्प्रे के घोल को हिलाने के लिए लकड़ी का प्रयोग करें। त्वचा, आंख और मुँह में कीटनाशक के संपर्क से बचाएं तथा साँस द्वारा अंदर जाने से रोकें। सुरक्षात्मक कपड़े जैसे कि एप्रन, दस्ताने, नकाब और बूट आदि पहन कर ही इसका इस्तेमाल करें। कीटनाशक का प्रयोग करते समय खाना, पीना व धूम्रपान नहीं करना चाहिए। प्रतिदिन प्रयोग के बाद कीटनाशक से प्रभावित हिस्सों को अच्छी तरह धो लें और कपड़े बदल लें। दूषित कपड़ों को अच्छी तरह धो लें।

विष के लक्षण
जब तक ज्यादा मात्रा में शरीर के अंदर न जाए तब तक तीक्ष्ण सर्वांगी विषाक्तता असंभव है। विषाक्तता के निम्न लक्षण हो सकते हैं आंखों, त्वचा या साँस की नली में जलन, क्रियाशीलता कम होना, कमजोरी, आंसू आना, साँस लेने में कठिनाई, ढीला मल आना, लाल मूत्र होना, कंपकंपी आना, छूने पर ठंडा लगना, त्वचा पर लाल दाने होना इत्यादि।

प्राथमिक चिकित्सा
प्रभावित व्यक्ति को प्रदूषित जगह से दूर हवादार कमरे या खुली हवा में ले जाएं और तापमान से बचाएं।
1). त्वचा में लगने पर: प्रदूषित कपड़ों को उतार दें तथा शरीर के प्रभावित हिस्सों को साबुन और पानी से अच्छी तरह धोएं।
2). आंखों में चले जाने पर: आंखों को कुछ देर तक साफ पानी से अच्छी तरह छपछपाइए।
3). निगल जाने पर: तुरंत डॉक्टर को बुलाईये

सूचना: यदि मरीज बेहोश हो तो, मुँह से कुछ न दें। उल्टी कराने की कोशिश न करें। मुँह को पानी से छपछपाएं और यदि सतर्क व होश में हो तो एक या दो ग्लास पानी पीने को दें।

पौधविषाक्तता: सी.आई.बी. दिशानिर्देशों का संदर्भ लें।

विष नाशक
कोई विशेष उपचार नहीं है। लक्षणानुसार इलाज करें।

खाली डिब्बों का निपटारा
1). खाली डिब्बों को जानवरों तथा इंसानों के रहने वाली जगह से दूर नष्ट करें तथा जमीन में गाढ दें।
2). खाली डिब्बों को बाहर न रखें ताकि दोबारा इस्तेमाल न हो सके।
3). डिब्बे, बचा हुआ कीटनाशक, तथा सफाई वाले अन्य पदार्थों को सावधानी से एक तरफ फेंके ताकि वातावरण या पानी दूषित न हो।

संग्रहण की शर्तें
1). कीटनाशक के डिब्बों को अलग कमरों में रखिए तथा अन्य पदार्थों की रखने वाली जगह से दूर रखिए। कीटनाशक के वजन तथा फैलाव के हिसाब से अलग तालाबंद अलमारी में रखें।
2). कीटनाशक रखने वाला कमरा या जगह सूखी, रोशनदार तथा बड़े आकार वाली होनी चाहिए ताकि वाष्प से दूषित न रहे।"

रासायनिक संरचना

क्रम सं	घटक	वज़न
1	पाईमेट्रोजिन स. त.	50.00% भा/भा
2	लिग्नोस्ल्फोनिक एसिड सोडियम साल्ट	10.00% भा/भा
3	डाइब्यूटाइलनैफ्थलीन सल्फोनिक एसिड सोडियम लवण के आयसोमर का मिश्रण	05.00% भा/भा
4	पोलीडाईमिथाईलसाईलोगजेन (एंटीफोमिंग एजेंट)	00.20% भा/भा
5	सोडियम सलफेट (सहायक)	05.00% भा/भा
6	यूरिया, फोरमेलडीहाईड का पोलीमर	10.00% भा/भा
7	सिलिसीयम ऑकसाईड	पर्याप्त मात्रा %
	कुल	100% भा/भा

सावधान: इस पर्चे में निर्दिष्ट फसलों के अलावा अन्य फसलों पर उपयोग न करें।

Hindi

पायमेट्रोजिन 50% डब्ल्यू. जी.
(कीटकनाशक)

पायमेट्रोजिन 50% डब्ल्यू.जी. हे एक अंतरप्रवाही कीटकनाशक आहे. पायमेट्रोजिन 50% डब्ल्यू.डब्ल्यू.जी. ची शिफारस भात पिकात येणाऱ्या तपकिरी पानटोळाच्या नियंत्रणासाठी केली जाते. जे कीटक या कीटकनाशकाच्या थेट संपर्कात येत नाहीत त्यांनाही हे नियंत्रित करते. कीटक फवारणीच्या संपर्कात येताच अन्नग्रहण थांबवतात आणि काही दिवसांत मरतात. खबरदारी: पायमेट्रोजिन 50% डब्ल्यू.डब्ल्यू.जी. चा वापर या पत्रकात (लीफलेट) नमूद केलेल्या पिकांव्यतिरिक्त इतर कोणत्याही पिकांवर करू नये

शिफारस

		प्रति हेक्टर मात्रा				
पीक	कीटकाचे सामान्य नाव	सक्रिय घटक (ग्रॅम)	संरचना (मि.ली.)	पाण्यातील द्रावण (लिटर)	शेवटच्या फवारणीपासून कापणीपर्यंत प्रतीक्षा कालावधी (दिवस)	प्रत्येक फवारणीनंतर पुनःप्रवेश कालावधी (तास)
भात	तपकिरी तुडतुडा	१५०	३००	५००	१९	-

वापरासाठी दिशा-निर्देश
कीटकनाशकाची निर्धारित मात्रा थोड्या पाण्यात मिसळा. नीट विरघळल्यानंतर उरलेले पाणी घालून नीट ढवळा. कीटकनाशकाचा वापर कीटक दिसताच त्वरित करावा आणि नंतर आवश्यकता असल्यास पुन्हा फवारणी करावी. उपस्थितीच्या आधारावर नॅपसेक फवारणी यंत्राद्वारे फवारणी करा. जास्तीत जास्त दोन फवारण्या कराव्यात. पहिली फवारणी कीटकांचा प्रादुर्भाव सुरु होताच आणि आर्थिक नुकसान पातळी (ई.टी.एल.) गाठल्यावर करावी.

प्रयोगाचा कालावधी
खाली दिलेल्या शिफारशींनुसार पायमेट्रोजिन 50% डब्ल्यू.जी. चा वापर केल्यास भात पिकातील तपकिरी पानटोळ्याचे प्रभावी नियंत्रण करता येते.

प्रयोगकर्त्यांसाठी खबरदारी
फवारणीचे द्रावण तयार करण्यासाठी अन्न शिजविण्याची भांडी वापरू नयेत. फवारणीचे द्रावण ढवळण्यासाठी लाकडी काठीचा वापर करावा. त्वचा, डोळे व तोंड यांचा कीटकनाशकाशी संपर्क होऊ देऊ नये तसेच श्वसनाद्वारे आत जाणे टाळावे. अॅप्रन, हातमोजे, मास्क व बूट यांसारखी संरक्षक वस्त्रे परिधान करूनच वापर करावा. कीटकनाशक वापरताना खाणे, पिणे व धूम्रपान करू नये. दररोज वापरानंतर कीटकनाशकाने दूषित झालेले अवयव नीट धुवावेत आणि कपडे बदलावेत. दूषित कपडे साबणाने नीट धुवावेत.

विषबाधेची लक्षणे
शरीरात जास्त प्रमाणात गेल्याशिवाय तीव्र सर्वांग विषबाधा होणे अशक्य आहे. विषबाधेची खालील लक्षणे
दिसून येऊ शकतात: डोळे, त्वचा किंवा श्वसनमार्गात जळजळ, कार्यक्षमता कमी होणे, अशक्तपणा, डोळ्यांतून पाणी येणे, श्वास घेण्यास अडचण, सैल शौच होणे, लालसर मूत्र होणे, अंगथरथर होणे, स्पर्शास थंड वाटणे, त्वचेवर लाल पुरळ येणे इत्यादी.

प्राथमिक उपचार
प्रभावित व्यक्तीस दूषित जागेपासून दूर, हवेशीर खोलीत किंवा मोकळ्या हवेत घेऊन जावे आणि तापमानापासून संरक्षण करावे.
1). त्वचेवर लागल्यास: दूषित कपडे काढून टाकावेत व प्रभावित भाग साबण व पाण्याने नीट धुवावेत.
2). डोळ्यात गेल्यास: डोळे काही काळ स्वच्छ पाण्याने नीट धुवावेत.
3). गिळल्यास: त्वरित डॉक्टरांना बोलवावे.

सूचना: रुग्ण बेशुद्ध असल्यास तोंडाने काहीही देऊ नये. उलटी करण्याचा प्रयत्न करू नये. तोंड पाण्याने धुवावे आणि रुग्ण शुद्धीत असल्यास 1 किंवा 2 ग्लास पाणी प्यायला द्यावे.

पौधविषबाधा: सी.आय.बी. मार्गदर्शक सूचनांचा संदर्भ घ्यावा.

विषनाशक
कोणताही विशिष्ट विषनाशक उपलब्ध नाही. लक्षणांनुसार उपचार करावेत.

रिकाम्या डब्यांचा निपटारा
1). रिकामे डबे प्राणी व मनुष्यवस्तीपासून दूर नष्ट करावेत व जमिनीत गाडावेत.
2). रिकामे डबे उघड्यावर ठेवू नयेत जेणेकरून त्यांचा पुन्हा वापर होणार नाही.
3). डबे, उरलेले कीटकनाशक व स्वच्छतेसाठी वापरलेले साहित्य काळजीपूर्वक वेगळ्या ठिकाणी टाकावे, जेणेकरून पर्यावरण किंवा पाणी दूषित होणार नाही.

साठवणुकीच्या अटी
1). कीटकनाशकांचे डबे स्वतंत्र खोलीत ठेवावेत व इतर वस्तू ठेवण्याच्या जागेपासून दूर ठेवावेत. कीटकनाशकाचे वजन व प्रमाण लक्षात घेऊन कुलूपबंद कपाटात साठवण करावी.
2). कीटकनाशक साठवण्याची खोली किंवा जागा कोरडी, हवेशीर व पुरेशा आकाराची असावी, जेणेकरून वाफेमुळे प्रदूषण होणार नाही.

रासायनिक संघटन

अनु. क्र.	घटकाचे वर्णन	प्रमाण
1	पायमेट्रोझिन (सक्रिय घटक)	50.00% भा/भा
2	लिग्नोसल्फोनिक आम्ल सोडियम मीठ	10.00% भा/भा
3	डायब्युटाइल नॅफ्थलीन सल्फोनिक आम्ल सोडियम मीठाच्या आयसोमर्सचे मिश्रण	05.00% भा/भा
4	पॉलीडायमेथिलसिलोक्सेन (फेस रोखणारा घटक)	00.20% भा/भा
5	सोडियम सल्फेट (वाहक)	05.00% भा/भा
6	युरिया, फॉर्माल्डिहाइडसह पॉलिमर	10.00% भा/भा
7	सिलिकम ऑक्साइड	आवश्यक प्रमाणात
	एकूण	100% भा/भा

सूचना: या पत्रकात नमूद केलेल्या पिकांव्यतिरिक्त इतर पिकांवर वापर करू नये.

Marathi

પાઇમેટ્રોઝિન 50% ડબલ્યુ. જી.
(કીટનાશક)

પાઇમેટ્રોઝિન 50% ડબલ્યુ.જી. એક આંતરપ્રવાહી કીટનાશક છે. પાઇમેટ્રોઝિન 50% ડબલ્યુ.ડબલ્યુ.જી. ની ભલામણ ધાન પાકમાં આવનાર ભૂરો પાન ટીડા ના નિયંત્રણ માટે કરવામાં આવે છે. જે કીટકો આ કીટનાશકના સીધા સંપર્કમાં આવતા નથી તેમને પણ આ નિયંત્રિત કરે છે. કીટકો સ્પ્રેના સંપર્કમાં આવતા જ ખોરાક લેવાનું બંધ કરી દે છે અને થોડા દિવસોમાં મરી જાય છે. સાવચેતીઃ પાઇમેટ્રોઝિન 50% ડબલ્યુ.ડબલ્યુ.જી. નો ઉપયોગ આ પત્રિકા (લીફલેટ) માં દર્શાવેલ પાકો સિવાય અન્ય પાકોમાં કરવો નહીં.

ભલામણ

		પ્રતિ હેક્ટર માત્રા				
પાક	જીવાતનું સામાન્ય નામ	સક્રિય ઘટક (ગ્રામ)	રચના (મિ.લી.)	પાણીમાં ઘોલ (લિટર)	છેલ્લી છંટકાવથી કાપણી સુધીની રાહ જોવાની અવધિ (દિવસ)	દરેક છંટકાવ પછી પુનઃપ્રવેશ સમય (કલાક)
ધાન	ભૂરો તણા કૂદકો	150	300	500	19	-

ઉપયોગ માટેની સૂચનાઓ
કીટનાશકની નિર્ધારિત માત્રા થોડા પાણીમાં ભેળવો. સારી રીતે દ્રાવ્ય થયા પછી બાકીના પાણી ઉમેરો અને સારી રીતે હલાવો. કીટનાશકનો
ઉપયોગ કીટકો દેખાતાની સાથે તરત કરો અને પછી જરૂર જણાય તો ફરી સ્પ્રે કરો. હાજરીના આધારે
નેપસેક સ્પ્રેયર વડે છંટકાવ કરો. વધુમાં વધુ બે છંટકાવ કરો. પહેલો છંટકાવ કીટક ઉપદ્રવ શરૂ થતાં
અને આર્થિક નુકસાન સ્તર (ઈ.ટી.એલ.) પહોંચે ત્યારે કરવો.

પ્રયોગનો સમય
નીચે આપેલ ભલામણો અનુસાર પાઇમેટ્રોઝિન 50% ડબલ્યુ.જી. નો ઉપયોગ કરવાથી ધાન પાકમાં આવનાર ભૂરા પાન ટીડા નું નિયંત્રણ કરી શકાય છે.

પ્રયોગકર્તાઓ માટે સાવચેતી
સ્પ્રે તૈયાર કરવા માટે રસોઈના વાસણોનો ઉપયોગ ન કરવો. સ્પ્રે દ્રાવણ હલાવવા માટે લાકડાની લાકડીનો ઉપયોગ કરવો. ત્વચા, આંખો અને મોઢાને કીટનાશકના સંપર્કથી બચાવો તથા શ્વાસ દ્વારા અંદર જવા ન દો. એપ્રન, હાથમોજાં, માસ્ક અને બૂટ જેવી સુરક્ષાત્મક વસ્ત્રો પહેરીને જ ઉપયોગ કરો. કીટનાશકનો ઉપયોગ કરતી વખતે ખાવું, પીવું અને ધુમ્રપાન કરવું નહીં. દરરોજ ઉપયોગ પછી કીટનાશકથી પ્રભાવિત ભાગોને સારી રીતે ધોઈ લો અને કપડાં બદલો. દૂષિત કપડાં સાબુથી સારી રીતે ધોઈ લો.

વિષાક્તતાના લક્ષણો
શરીરમાં વધુ માત્રામાં પ્રવેશ ન થાય ત્યાં સુધી તીવ્ર સર્વાંગી વિષાક્તતા શક્ય નથી. વિષાક્તતાના નીચેના લક્ષણો હોઈ શકે છેઃ આંખો, ત્વચા અથવા શ્વાસ નળીમાં બળતરા, કાર્યક્ષમતા ઘટવી, નબળાઈ, આંખોમાં પાણી આવવું, શ્વાસ લેવામાં તકલીફ, પાતળું મલ થવું, લાલ મૂત્ર થવું, કંપારી આવવી, સ્પર્શ કરતાં ઠંડુ લાગવું, ત્વચા પર લાલ દાણા થવા વગેરે.

પ્રાથમિક સારવાર
પ્રભાવિત વ્યક્તિને દૂષિત જગ્યાથી દૂર હવાદાર રૂમમાં અથવા ખુલ્લી હવામાં લઈ જાઓ અને તાપમાનથી બચાવો.
1). ત્વચા પર લાગ્યે હોય તો: દૂષિત કપડાં ઉતારી દો અને અસરગ્રસ્ત ભાગને સાબુ અને પાણીથી સારી રીતે ધોઈ લો.
2). આંખોમાં ગયા હોય તો: આંખોને થોડો સમય સ્વચ્છ પાણીથી સારી રીતે ધોઈ લો.
3). ગળી લીધું હોય તો: તાત્કાલિક ડોક્ટરને બોલાવો.

સૂચનાઃ દર્દી બેભાન હોય તો મોઢે કશું ન આપવું. ઉલટી કરાવવાનો પ્રયત્ન ન કરવો. મોઢું પાણીથી ધોઈ લો અને દર્દી હોશમાં હોય તો 1 અથવા 2 ગ્લાસ પાણી પીવા આપો.

પાક વિષાક્તતા: સી.આઇ.બી. માર્ગદર્શિકાનો સંદર્ભ લો.

વિષનાશક
કોઈ વિશિષ્ટ વિષનાશક નથી. લક્ષણ અનુસાર સારવાર કરો.

ખાલી ડબ્બાઓનો નિકાલ
1). ખાલી ડબ્બાઓને પ્રાણીઓ અને માનવ વસતિથી દૂર નષ્ટ કરો અને જમીનમાં દાટી દો.
2). ખાલી ડબ્બાઓ બહાર ન રાખો જેથી તેનો ફરી ઉપયોગ ન થાય.
3). ડબ્બા, બચેલ કીટનાશક અને સફાઈ માટેના અન્ય પદાર્થો સાવધાનીથી અલગ જગ્યાએ ફેંકો જેથી પર્યાવરણ અથવા પાણી દૂષિત ન થાય.

સંગ્રહની શરતો
1). કીટનાશકના ડબ્બાઓ અલગ રૂમમાં રાખો અને અન્ય સામગ્રી રાખવાની જગ્યાથી દૂર રાખો. કીટનાશકના વજન અને પ્રમાણ અનુસાર તાળાબંદ અલમારીમાં સંગ્રહ કરો.
2). કીટનાશક સંગ્રહ માટેની રૂમ અથવા જગ્યા સુકી, હર અને પૂરતા કદની હોવી જોઈએ જેથી વાષ્પથી પ્રદૂષણ ન થાય.

રાસાયણિક રચના

ક્ર. નં.	ઘટકનું વર્ણન	પ્રમાણ
1	પાયમેટ્રોઝિન (સક્રિય ઘટક)	50.00% ભા/ભા
2	લિગ્નોસલ્ફોનિક એસિડ સોડિયમ મીઠું	10.00% ભા/ભા
3	ડાયબ્યુટાઇલ નાફથેલિન સલ્ફોનિક એસિડ સોડિયમ મીઠાના આઇસોમર્સનું મિશ્રણ	05.00% ભા/ભા
4	પોલીડાયમેથિલસિલોક્સેન (ફ્રોમ રોકનાર એજન્ટ)	00.20% ભા/ભા
5	સોડિયમ સલ્ફેટ (વાહક)	05.00% ભા/ભા
6	યુરિયા, ફોર્માલ્ડિહાઇડ સાથેનો પોલિમર	10.00% ભા/ભા
7	સિલિકમ ઑક્સાઇડ	આવશ્યક પ્રમાણમાં
	કુલ	100% ભા/ભા

ચેતવણી: આ પત્રકમાં દર્શાવેલી ફસલો સિવાય અન્ય કોઈ પાકમાં ઉપયોગ ન કરવો.

Gujarati

ਪਾਈਮੇਟਰੋਜ਼ਿਨ 50% ਡਬਲਯੂ. ਜੀ.
(ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ)

ਪਾਈਮੇਟਰੋਜ਼ਿਨ 50% ਡਬਲਯੂ.ਜੀ. ਇੱਕ ਅੰਤਰਪ੍ਰਵਾਹੀ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਹੈ। ਪਾਈਮੇਟਰੋਜ਼ਿਨ 50% ਡਬਲਯੂ.ਡਬਲਯੂ.ਜੀ. ਦੀ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ ਧਾਨ ਦੀ ਫ਼ਸਲ ਵਿੱਚ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਭੂਰੇ ਪੱਤਾ ਟਿੱਡੇ ਦੇ ਨਿਯੰਤਰਣ ਲਈ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਜੋ ਕੀਟ ਇਸ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਦੇ ਸਿੱਧੇ ਸੰਪਰਕ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਆਉਂਦੇ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਇਹ ਨਿਯੰਤਰਿਤ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਕੀਟ ਛਿੜਕਾਅ ਦੇ ਸੰਪਰਕ ਵਿੱਚ ਆਉਂਦੇ ਹੀ ਖੁਰਾਕ ਲੈਣੀ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਕੁਝ ਦਿਨਾਂ ਵਿੱਚ ਮਰ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਸਾਵਧਾਨੀ: ਪਾਈਮੇਟਰੋਜ਼ਿਨ 50% ਡਬਲਯੂ.ਡਬਲਯੂ.ਜੀ. ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਇਸ ਲੀਫਲੈਟ ਵਿੱਚ ਦਰਸਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਫ਼ਸਲਾਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਫ਼ਸਲ ‘ਤੇ ਨਾ ਕਰੋ।

ਸਿਫਾਰਸ਼

		ਪ੍ਰਤੀ ਹੈਕਟਰ ਮਾਤਰਾ				
ਫਸਲ	ਕੀੜੇ ਦਾ ਆਮ ਨਾਮ	ਸਰਗਰਮ ਤੱਤ (ਗ੍ਰਾਮ)	ਬਣਤਰ (ਮਿ.ਲੀ.)	ਪਾਣੀ ਵਿੱਚ ਘੋਲ (ਲੀਟਰ)	ਆਖਰੀ ਛਿੜਕਾਅ ਤੋਂ ਕਟਾਈ ਤੱਕ ਉਡੀਕ ਸਮਾਂ (ਦਿਨ)	ਹਰ ਛਿੜਕਾਅ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਦੁਬਾਰਾ ਦਾਖ਼ਲਾ ਸਮਾਂ (ਘੰਟੇ)
ਧਾਨ	ਭੂਰਾ ਤਣਾ ਫੁਦਕਾ	150	300	500	19	-

ਵਰਤੋਂ ਲਈ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼
ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਦੀ ਨਿਰਧਾਰਤ ਮਾਤਰਾ ਨੂੰ ਥੋੜ੍ਹੇ ਪਾਣੀ ਵਿੱਚ ਘੋਲ ਲਵੋ। ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਘੁਲ ਜਾਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਬਾਕੀ ਪਾਣੀ ਮਿਲਾ ਕੇ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਿਲਾਓ। ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਦਾ
ਇਸਤ ਕੀਟ ਦੇ ਦਿਖਾਈ ਦੇਣ ਤੁਰੰਤ ਬਾਅਦ ਕਰੋ ਅਤੇ ਉਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਜੇ ਲੋੜ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਮੌਜੂਦਗੀ ਦੇ ਅਧਾਰ ‘ਤੇ ਦੁਬਾਰਾ ਛਿੜਕਾਅ ਨੈਪਸੈਕ ਸਪਰੇਅਰ ਰਾਹੀਂ ਕਰੋ। ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ ਦੋ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ। ਪਹਿਲਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕੀਟਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਕੋਪ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ‘ਤੇ ਅਤੇ ਵੱਧ ਨੁਕਸਾਨ ਦੇ ਪੱਧਰ (ਈ.ਟੀ.ਐਲ.) ਦੀ ਅਵਸਥਾ ਪਹੁੰਚਣ ‘ਤੇ ਕਰੋ।

ਪ੍ਰਯੋਗ ਦਾ ਸਮਾਂ
ਹੇਠ ਦਿੱਤੀਆਂ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਪਾਈਮੇਟਰੋਜ਼ਿਨ 50% ਡਬਲਯੂ.ਜੀ. ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨਾਲ ਧਾਨ ਦੀ ਫ਼ਸਲ ਵਿੱਚ ਆਉਣ ਵਾਲੇ
ਭੂਰੇ ਪੱਤਾ ਟਿੱਡੇ ਦਾ ਨਿਯੰਤਰਣ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।

ਪ੍ਰਯੋਗਕਾਰਾਂ ਲਈ ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ
ਸਪਰੇਅ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਲਈ ਖਾਣਾ ਬਣਾਉਣ ਵਾਲੇ ਬਰਤਨਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨਾ ਕਰੋ। ਸਪਰੇਅ ਦੇ ਘੋਲ ਨੂੰ ਹਿਲਾਉਣ ਲਈ ਲੱਕੜੀ ਦੀ ਛੜੀ ਦੀ ਵਰਤੋਂ
ਕਰੋ। ਚਮੜੀ, ਅੱਖਾਂ ਅਤੇ ਮੂੰਹ ਨੂੰ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਦੇ ਸੰਪਰਕ ਤੋਂ ਬਚਾਓ ਅਤੇ ਸਾਹ ਰਾਹੀਂ ਅੰਦਰ ਜਾਣ ਤੋਂ ਰੋਕੋ। ਐਪਰਨ, ਦਸਤਾਨੇ, ਮਾਸਕ ਅਤੇ ਬੂਟ ਵਰਗੇ ਸੁਰੱਖਿਆ ਕੱਪੜੇ ਪਾ ਕੇ ਹੀ ਇਸਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ। ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਦੇ ਸਮੇਂ
ਖਾਣਾ, ਪੀਣਾ ਅਤੇ ਧੂਮਰਪਾਨ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਹਰ ਰੋਜ਼ ਵਰਤੋਂ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਨਾਲ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਅੰਗਾਂ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋ ਲਵੋ ਅਤੇ ਕਪੜੇ ਬਦਲ ਲਵੋ। ਗੰਦੇ ਕੱਪੜੇ ਸਾਬਣ ਨਾਲ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋ ਲਵੋ।

ਵਿਸ਼ਾਕਤਤਾ ਦੇ ਲੱਛਣ
ਜਦੋਂ ਤੱਕ ਵੱਧ ਮਾਤਰਾ ਵਿੱਚ ਸਰੀਰ ਦੇ ਅੰਦਰ ਨਾ ਜਾਵੇ, ਤਦ ਤੱਕ ਤੀਬਰ ਸਰਵਾਂਗੀ ਵਿਸ਼ਾਕਤਤਾ ਸੰਭਵ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਵਿਸ਼ਾਕਤਤਾ ਦੇ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਲੱਛਣ
ਹੋ ਸਕਦੇ ਹਨ: ਅੱਖਾਂ, ਚਮੜੀ ਜਾਂ ਸਾਹ ਦੀ ਨਲੀ ਵਿੱਚ ਜਲਨ, ਕਿਰਿਆਸ਼ੀਲਤਾ ਘੱਟ ਹੋਣਾ, ਕਮਜ਼ੋਰੀ, ਅੱਖਾਂ ਵਿੱਚ ਪਾਣੀ ਆਉਣਾ, ਸਾਹ ਲੈਣ ਵਿੱਚ ਦਿੱਕਤ, ਪਤਲਾ ਮਲ ਆਉਣਾ, ਲਾਲ ਰੰਗ ਦਾ ਪਿਸ਼ਾਬ ਹੋਣਾ, ਕੰਬਣੀ ਆਉਣਾ, ਛੂਹਣ ‘ਤੇ ਠੰਡਾ ਲੱਗਣਾ, ਚਮੜੀ ‘ਤੇ ਲਾਲ ਦਾਣੇ ਪੈਣਾ ਆਦਿ।

ਪ੍ਰਾਥਮਿਕ ਇਲਾਜ
ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਿਤ ਥਾਂ ਤੋਂ ਦੂਰ ਹਵਾਦਾਰ ਕਮਰੇ ਜਾਂ ਖੁੱਲ੍ਹੀ ਹਵਾ ਵਿੱਚ ਲੈ ਜਾਓ ਅਤੇ ਤਾਪਮਾਨ ਤੋਂ ਬਚਾਓ।
1). ਚਮੜੀ ‘ਤੇ ਲੱਗਣ ‘ਤੇ: ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਿਤ ਕੱਪੜੇ ਉਤਾਰ ਦਿਓ ਅਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹਿੱਸਿਆਂ ਨੂੰ ਸਾਬਣ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋਵੋ।
2). ਅੱਖਾਂ ਵਿੱਚ ਚਲੇ ਜਾਣ ‘ਤੇ: ਅੱਖਾਂ ਨੂੰ ਕੁਝ ਸਮੇਂ ਤੱਕ ਸਾਫ਼ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋਵੋ
3). ਨਿਗਲ ਲੈਣ ‘ਤੇ: ਤੁਰੰਤ ਡਾਕਟਰ ਨੂੰ ਬੁਲਾਓ।

ਸੂਚਨਾ: ਜੇ ਮਰੀਜ਼ ਬੇਹੋਸ਼ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਮੂੰਹ ਰਾਹੀਂ ਕੁਝ ਵੀ ਨਾ ਦਿਓ। ਉਲਟੀ ਕਰਵਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਨਾ ਕਰੋ। ਮੂੰਹ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਧੋਵੋ ਅਤੇ ਜੇ ਮਰੀਜ਼ ਹੋਸ਼ ਵਿੱਚ ਹੋਵੇ ਤਾਂ 1 ਜਾਂ 2 ਗਲਾਸ ਪਾਣੀ ਪੀਣ ਲਈ ਦਿਓ।

ਪੌਧਾ ਵਿਸ਼ਾਕਤਤਾ: ਸੀ.ਆਈ.ਬੀ. ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਦਾ ਹਵਾਲਾ ਲਵੋ।

ਵਿਸ਼ ਨਾਸ਼ਕ
ਕੋਈ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਵਿਸ਼ ਨਾਸ਼ਕ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਲੱਛਣਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਇਲਾਜ ਕਰੋ।

ਖਾਲੀ ਡੱਬਿਆਂ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ
1). ਖਾਲੀ ਡੱਬਿਆਂ ਨੂੰ ਪਸ਼ੂਆਂ ਅਤੇ ਮਨੁੱਖੀ ਵਸੇਬੇ ਤੋਂ ਦੂਰ ਨਸ਼ਟ ਕਰੋ ਅਤੇ ਜ਼ਮੀਨ ਵਿੱਚ ਗਾੜ ਦਿਓ।
2). ਖਾਲੀ ਡੱਬਿਆਂ ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਨਾ ਛੱਡੋ ਤਾਂ ਜੋ ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਦੁਬਾਰਾ ਵਰਤੋਂ ਨਾ ਹੋ ਸਕੇ।
3). ਡੱਬੇ, ਬਚਿਆ ਹੋਇਆ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਅਤੇ ਸਫ਼ਾਈ ਲਈ ਵਰਤੇ ਗਏ ਹੋਰ ਪਦਾਰਥ ਸਾਵਧਾਨੀ ਨਾਲ ਇਕ ਪਾਸੇ ਫੈਂਕੋ ਤਾਂ ਜੋ ਵਾਤਾਵਰਣ ਅਥਵਾ ਪਾਣੀ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਿਤ ਨਾ ਹੋਵੇ।

ਸੰਭਾਲ ਅਤੇ ਸਟੋਰੇਜ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ
1). ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਦੇ ਡੱਬਿਆਂ ਨੂੰ ਵੱਖਰੇ ਕਮਰਿਆਂ ਵਿੱਚ ਰੱਖੋ ਅਤੇ ਹੋਰ ਸਮੱਗਰੀ ਰੱਖਣ ਵਾਲੀ ਥਾਂ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰੱਖੋ। ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਦੇ ਭਾਰ ਅਤੇ ਮਾਤਰਾ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਤਾਲਾਬੰਦ ਅਲਮਾਰੀ ਵਿੱਚ ਸਟੋਰ ਕਰੋ।
2). ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਰੱਖਣ ਵਾਲਾ ਕਮਰਾ ਜਾਂ ਥਾਂ ਸੁੱਕੀ, ਹਵਾਦਾਰ ਅਤੇ ਵੱਡੇ ਆਕਾਰ ਦੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਵਾਸ਼ ਤੋਂ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਨਾ ਹੋਵੇ।"

ਰਸਾਇਣਿਕ ਸੰਰਚਨਾ

ਕ੍ਰ. ਨੰ.	ਘਟਕ ਦਾ ਵੇਰਵਾ	ਮਾਤਰਾ
1	ਪਾਈਮੀਟ੍ਰੋਜ਼ੀਨ (ਸਰਗਰਮ ਤੱਤ)	50.00% ਭਾ/ਭਾ
2	ਲਿਗਨੋਸਲਫੋਨਿਕ ਐਸਿਡ ਸੋਡੀਅਮ ਲਵਣ	10.00% ਭਾ/ਭਾ
3	ਡਾਈਬਿਊਟਾਈਲ ਨੈਫਥਾਲੀਨ ਸਲਫੋਨਿਕ ਐਸਿਡ ਸੋਡੀਅਮ ਲਵਣ ਦੇ ਆਇਸੋਮਰਾਂ ਦਾ ਮਿਸ਼ਰਣ	05.00% ਭਾ/ਭਾ
4	ਪੋਲਿਡਾਈਮੇਥਿਲਸਿਲੋਕਸੇਨ (ਝੱਗ ਰੋਕੂ ਏਜੰਟ)	00.20% ਭਾ/ਭਾ
5	ਸੋਡੀਅਮ ਸਲਫੇਟ (ਵਾਹਕ)	05.00% ਭਾ/ਭਾ
6	ਯੂਰੀਆ, ਫਾਰਮਾਲਡੀਹਾਈਡ ਨਾਲ ਪੋਲਿਮਰ	10.00% ਭਾ/ਭਾ
7	ਸਿਲਿਕਮ ਆਕਸਾਈਡ	ਲੋੜ ਅਨੁਸਾਰ
	ਕੁੱਲ	100% ਭਾ/ਭਾ

ਸਾਵਧਾਨ: ਇਸ ਪੰਫ਼ਲੇਟ ਵਿੱਚ ਦਰਸਾਈਆਂ ਫਸਲਾਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਹੋਰ ਫਸਲਾਂ ‘ਤੇ ਵਰਤੋਂ ਨਾ ਕਰੋ।

Punjabi

পাইমেট্রোজিন 50% ডব্লিউ. জি.
(কীটনাশক)

পাইমেট্রোজিন 50% ডব্লিউ.জি. একটি অন্তঃপ্রবাহী কীটনাশক। পাইমেট্রোজিন 50% ডব্লিউ.ডব্লিউ.জি. ধান ফসলে আক্রমণকারী
বাদামী পাতা ফড়িং দমনের জন্য সুপারিশকৃত। যে কীটগুলি এই কীটনাশকের সরাসরি সংস্পর্শে আসে না, তাদেরও এটি নিয়ন্ত্রণ করে। কীট স্প্রের সংস্পর্শে আসামাত্র খাদ্য গ্রহণ বন্ধ করে দেয় এবং কয়েক দিনের মধ্যেই মারা যায়। সতর্কতা: পাইমেট্রোজিন 50% ডব্লিউ.ডব্লিউ.জি. এই লিফলেট-এ উল্লিখিত ফসল ব্যতীত অন্য কোনো ফসলে ব্যবহার করা যাবে না।

সুপারিশ

		প্রতি হেক্টর পরিমাণ				
ফসল	পোকার সাধারণ নাম	সক্রিয় উপাদান (গ্রাম)	প্রস্তুতি (মি.লি.)	পানিতে মিশ্রণ (লিটার)	শেষ স্প্রে থেকে কাটাই পর্যন্ত অপেক্ষার সময় (দিন)	প্রতিটি স্প্রের পর পুনঃপ্রবেশ সময় (ঘণ্টা)
ধান	বাদামী তণা ফুদকা	150	300	500	19	-

ব্যবহারের নির্দেশনা
নির্ধারিত মাত্রার কীটনাশক অল্প পানিতে গুলে নিন। ভালোভাবে দ্রবীভূত হলে অবশিষ্ট পানি যোগ করে ভালোভাবে নাড়ুন। কীটনাশক কীট দেখা দেওয়ার সঙ্গে সঙ্গে ব্যবহার করুন এবং পরে প্রয়োজন হলে উপস্থিতির ভিত্তিতে পুনরায় স্প্রে করুন। ন্যাপস্যাক স্প্রেয়ারের মাধ্যমে প্রয়োগ করুন। সর্বোচ্চ দুইবার স্প্রে করা যাবে। প্রথম স্প্রে কীটের আক্রমণ শুরু হলে এবং অর্থনৈতিক ক্ষতির স্তর (ই.টি.এল.)-এ পৌঁছালে করতে হবে।

প্রয়োগের সময়
নিচে দেওয়া সুপারিশ অনুযায়ী পাইমেট্রোজিন 50% ডব্লিউ.জি. ব্যবহার করলে ধান ফসলে আক্রমণকারী বাদামী পাতা ফড়িং কার্যকরভাবে নিয়ন্ত্রণ করা যায়।

প্রয়োগকারীদের জন্য সতর্কতা
স্প্রে প্রস্তুতের জন্য রান্নার পাত্র ব্যবহার করবেন না। স্প্রে দ্রবণ নাড়ানোর জন্য কাঠের লাঠি ব্যবহার করুন।
ত্বক, চোখ ও মুখে কীটনাশকের সংস্পর্শ এড়িয়ে চলুন এবং শ্বাসের মাধ্যমে ভিতরে প্রবেশ রোধ করুন। এপ্রন, দস্তানা, মাস্ক ও বুটের মতো সুরক্ষামূলক পোশাক পরিধান করে ব্যবহার করুন। কীটনাশক ব্যবহারের সময় খাওয়া, পান করা ও ধূমপান করা যাবে না। প্রতিদিন ব্যবহারের পর কীটনাশকে আক্রান্ত অংশ ভালোভাবে ধুয়ে নিন এবং কাপড় পরিবর্তন করুন। দূষিত কাপড় সাবান দিয়ে ভালোভাবে ধুয়ে নিন

বিষক্রিয়ার লক্ষণ
শরীরে অতিরিক্ত মাত্রায় প্রবেশ না করলে তীব্র সর্বাঙ্গীন বিষক্রিয়া সাধারণত হয় না। বিষক্রিয়ার নিম্নলিখিত লক্ষণ
দেখা দিতে পারে: চোখ, ত্বক বা শ্বাসনালীতে জ্বালা, কার্যক্ষমতা হ্রাস, দুর্বলতা, চোখ দিয়ে পানি পড়া, শ্বাস নিতে কষ্ট, পাতলা পায়খানা, লাল রঙের প্রস্রাব, কাঁপুনি, স্পর্শ করলে ঠান্ডা লাগা, ত্বকে লাল ফুসকুড়ি ইত্যাদি।

প্রাথমিক চিকিৎসা
আক্রান্ত ব্যক্তিকে দূষিত স্থান থেকে দূরে বাতাস চলাচলযুক্ত ঘর বা খোলা জায়গায় নিয়ে যান এবং অতিরিক্ত তাপ থেকে রক্ষা করুন।
1). ত্বকে লাগলে: দূষিত কাপড় খুলে ফেলুন এবং আক্রান্ত স্থান সাবান ও পানি দিয়ে ভালোভাবে ধুয়ে নিন।
2). চোখে গেলে: কিছু সময় পরিষ্কার পানি দিয়ে চোখ ভালোভাবে ধুয়ে নিন।
3). গিলে ফেললে: অবিলম্বে ডাক্তার ডাকুন।

নোট: রোগী অচেতন হলে মুখ দিয়ে কিছু দেবেন না। বমি করানোর চেষ্টা করবেন না। মুখ পরিষ্কার পানি দিয়ে ধুয়ে নিন এবং রোগী সচেতন থাকলে 1 বা 2 গ্লাস পানি পান করান।

উদ্ভিদ বিষক্রিয়া: সি.আই.বি. নির্দেশিকার উল্লেখ দেখুন।

বিষনাশক
কোনো নির্দিষ্ট বিষনাশক নেই। লক্ষণ অনুযায়ী চিকিৎসা করুন।

খালি পাত্রের নিষ্পত্তি
1). খালি পাত্র পশু ও মানুষের বসবাসের স্থান থেকে দূরে নষ্ট করুন এবং মাটিতে পুঁতে ফেলুন।
2). খালি পাত্র বাইরে ফেলে রাখবেন না যাতে পুনরায় ব্যবহার না করা যায়।
3). পাত্র, অবশিষ্ট কীটনাশক ও পরিষ্কারের অন্যান্য উপকরণ সতর্কতার সঙ্গে আলাদা স্থানে ফেলে দিন যাতে পরিবেশ অথবা পানি দূষিত না হয়

সংরক্ষণের শর্তাবলী
1). কীটনাশকের পাত্র আলাদা কক্ষে রাখুন এবং অন্যান্য সামগ্রী রাখার স্থান থেকে দূরে রাখুন। কীটনাশকের ওজন ও পরিমাণ অনুযায়ী তালাবদ্ধ আলমারিতে সংরক্ষণ করুন।
2). কীটনাশক সংরক্ষণের কক্ষ বা স্থান শুষ্ক, বায়ু চলাচলযোগ্য এবং পর্যাপ্ত আকারের হওয়া উচিত যাতে বাষ্পের কারণে দূষণ না ঘটে।

রাসায়নিক সংমিশ্রণ

ক্র. নং	উপাদানের বিবরণ	পরিমাণ
1	পাইমেট্রোজিন (সক্রিয় উপাদান)	50.00% ভা/ভা
2	লিগনোসালফোনিক অ্যাসিড সোডিয়াম লবণ	10.00% ভা/ভা
3	ডাইবিউটাইল ন্যাফথালিন সালফোনিক অ্যাসিড সোডিয়াম লবণের আইসোমারের মিশ্রণ	05.00% ভা/ভা
4	পলিডাইমেথাইলসিলোক্সেন (ফেনা প্রতিরোধক)	00.20% ভা/ভা
5	সোডিয়াম সালফেট (বাহক)	05.00% ভা/ভা
6	ইউরিয়া, ফর্মালডিহাইডের সঙ্গে পলিমার	10.00% ভা/ভা
7	সিলিকম অক্সাইড	প্রয়োজন অনুযায়ী
	মোট	100% ভা/ভা

সতর্কতা: এই লিফলেটে উল্লেখিত ফসল ছাড়া অন্য কোনো ফসলে ব্যবহার করবেন না।

Bengali

پائیمیٹروزین 50% WG
(انسیکٹی سائیڈ)

پائیمیٹروزین 50% ڈبلیو. ڈبلیو. جی. ایک اندرونی اثر رکھنے والی کیڑے مار دوا ہے۔ پائیمیٹروزین 50% ڈبلیو. ڈبلیو. جی.
دھان کی فصل میں آنے والے بھورے پتی ٹڈے کے کنٹرول کے لیے تجویز کی جاتی ہے۔ یہ کیڑے مار دوا ان کیڑوں کو بھی
کنٹرول کرتی ہے جو اس کے براہِ راست رابطے میں نہیں آتے۔ کیڑے اسپرے کے رابطے میں آتے ہی
خوراک لینا بند کر دیتے ہیں اور چند دنوں میں مر جاتے ہیں۔ احتیاط:
اس لیف لیٹ میں درج کی گئی فصلوں کے علاوہ دیگر کسی فصل پر
پائیمیٹروزین 50% ڈبلیو. ڈبلیو. جی. کا استعمال نہ کریں۔

سفارشات

		فی ہیکٹر مقدار				
فصل	کیڑے کا عام نام	فعال جزو (گرام)	تیاری (ملی لیٹر)	پانی میں محلول (لیٹر)	آخری چھڑکاؤ سے کٹائی تک انتظار کی مدت (دن)	ہر چھڑکاؤ کے بعد دوبارہ داخلے کا وقت (گھنٹے)
دھان	براؤن پلانٹ ہاپر	150	300	500	19	-

استعمال کے لیے ہدایات
کیڑے مار دوا کی تجویز کردہ مقدار کو تھوڑے سے پانی میں اچھی طرح گھول لیں۔
مکمل حل ہو جانے کے بعد باقی پانی شامل کریں اور اچھی طرح ملائیں۔
کیڑے نظر آتے ہی فوری طور پر دوا کا استعمال کریں اور ضرورت پڑنے پر
کیڑوں کی موجودگی کے مطابق دوبارہ اسپرے کریں۔
نیپسیک اسپریئر کے ذریعے چھڑکاؤ کریں۔ زیادہ سے زیادہ دو اسپرے کریں۔
پر پہنچنے کی حالت میں کریں۔ (E.T.L.) پہلا اسپرے کیڑوں کے حملے کے آغاز پر اور معاشی نقصان کی حد

استعمال کا وقت
ذیل میں دی گئی سفارشات کے مطابق پائیمیٹروزین 50% ڈبلیو. ڈبلیو. جی. کے استعمال سے
دھان کی فصل میں آنے والے بھورے پتی ٹڈے کو مؤثر طریقے سے کنٹرول کیا جا سکتا ہے۔

استعمال کرنے والوں کے لیے احتیاطی تدابیر
اسپرے تیار کرنے کے لیے کھانا پکانے کے برتن استعمال نہ کریں۔
محلول کو ہلانے کے لیے لکڑی کی چھڑی استعمال کریں۔
جلد، آنکھوں اور منہ کو کیڑے مار دوا کے رابطے سے بچائیں
اور سانس کے ذریعے اندر جانے سے روکیں۔
حفاظتی لباس جیسے ایپرن، دستانے، ماسک اور بوٹ وغیرہ پہن کر ہی استعمال کریں۔
کیڑے مار دوا استعمال کرتے وقت کھانا، پینا اور تمباکو نوشی نہ کریں۔
ہر دن کے استعمال کے بعد متاثرہ جسمانی حصوں کو اچھی طرح دھوئیں
اور کپڑے تبدیل کریں۔ آلودہ کپڑوں کو صابن سے اچھی طرح دھو لیں۔

زہر کی علامات
جب تک زیادہ مقدار جسم میں داخل نہ ہو شدید عمومی زہریلا اثر عام طور پر ممکن نہیں۔
زہریلے اثر کی صورت میں درج ذیل علامات ظاہر ہو سکتی ہیں: آنکھوں، جلد یا سانس کی نالی میں جلن،
سرگرمی میں کمی، کمزوری، آنسو آنا، سانس لینے میں دشواری،
دست آنا، سرخ رنگ کا پیشاب آنا، کپکپی طاری ہونا،
چھونے پر ٹھنڈک محسوس ہونا، جلد پر سرخ دانے ظاہر ہونا وغیرہ۔

ابتدائی طبی امداد
متاثرہ شخص کو آلودہ جگہ سے نکال کر ہوادار کمرے یا
ک ھلی فضا میں لے جائیں اور زیادہ درجہ حرارت سے بچائیں۔
1). جلد پر لگنے کی صورت میں: آلودہ کپڑے اتار دیں اور متاثرہ حصے کو صابن اور پانی سے اچھی طرح دھوئیں۔
2). آنکھوں میں چلے جانے پر: کچھ دیر تک صاف پانی سے آنکھوں کو اچھی طرح دھوئیں۔
3). نگل لینے کی صورت میں: فوراً ڈاکٹر کو بلائیں۔

نوٹ: اگر مریض بے ہوش ہو تو منہ کے ذریعے کچھ نہ دیں۔ قے کروانے کی کوشش نہ کریں۔
منہ کو صاف پانی سے دھوئیں اور اگر مریض ہوش میں ہو تو 1 یا 2 گلاس پانی پلائیں۔

پودوں میں زہریلا پن
سی. آئی. بی. کی ہدایات سے رجوع کریں۔

زہر کا تریاق
کوئی خاص تریاق موجود نہیں ہے۔ علامات کے مطابق علاج کریں۔

خالی ڈبوں کی تلفی
1). خالی ڈبوں کو انسانوں اور جانوروں کے رہائشی علاقوں سے دور
نقصان پہنچا کر زمین میں دفن کریں۔
2). خالی ڈبوں کو باہر نہ چھوڑیں تاکہ دوبارہ استعمال نہ ہو سکے۔
3). ڈبے، بچی ہوئی کیڑے مار دوا اور صفائی کے دیگر مواد
ماحول یا پانی کو آلودہ ہونے سے بچانے کے لیے احتیاط سے ایک طرف تلف کریں۔

ذخیرہ کرنے کی شرائط
1). کیڑے مار دوا کے ڈبوں کو الگ کمروں میں رکھیں اور دیگر اشیاء رکھنے کی جگہ سے دور رکھیں۔
کیڑے مار دوا کے وزن اور مقدار کے مطابق تالہ بند الماری میں محفوظ کریں۔
2). کیڑے مار دوا رکھنے والا کمرہ یا جگہ خشک، ہوادار اور مناسب سائز کی ہونی چاہیے
تاکہ بخارات کی وجہ سے آلودگی کا خطرہ نہ رہے۔

کیمیائی ترکیب

شمار	جزو کی وضاحت	مقدار
1	پائمیٹروزین (فعال جزو)	50.00% بہا/بہا
2	لگنوسلفونک ایسڈ سوڈیم نمک	10.00% بہا/بہا
3	ڈائی بیوٹائل نیفتھالین سلفونک ایسڈ سوڈیم نمک کے آئسومرز کا مرکب	05.00% بہا/بہا
4	پولی ڈائی میتھائل سیلوکسان (جھاگ روکنے والا عامل)	00.20% بہا/بہا
5	سوڈیم سلفیٹ (کیریئر)	05.00% بہا/بہا
6	یوریا، فارملڈیہائیڈ کے ساتھ پولیمر	10.00% بہا/بہا
7	سیلیکم آکسائیڈ	حسبِ ضرورت
	کل	100% بہا/بہا

احتیاط: اس لیف لیٹ میں درج فصلوں کے علاوہ دیگر فصلوں پر استعمال نہ کریں۔

Urdu

പൈമെട്രോസിൻ 50% ഡബ്ല്യു. ജി.
(കീടനാശിനി)

പൈമെട്രോസിൻ 50% ഡബ്ല്യു.ജി. ഒരു അന്തർപ്രവാഹി കീടനാശിനിയാണ്. പൈമെട്രോസിൻ 50% ഡബ്ല്യു.ഡബ്ല്യു.ജി. നെ നെല്ല് വിളയിൽ കാണപ്പെടുന്ന ബ്രൗൺ പ്ലാന്റ് ഹോപ്പർ (തവിട്ടുനിറമുള്ള ഇലച്ചാടി) നിയന്ത്രിക്കുന്നതിനായി ശുപാർശ ചെയ്യുന്നു. ഈ കീടനാശിനിയുമായി നേരിട്ട്
സമ്പർക്കത്തിൽ വരാത്ത കീടങ്ങളെയും ഇത് നിയന്ത്രിക്കുന്നു. കീടങ്ങൾ സ്പ്രേയുടെ സമ്പർക്കത്തിൽ വന്ന ഉടൻ
ആഹാരം കഴിക്കുന്നത് നിർത്തി കുറച്ച് ദിവസങ്ങൾക്കുള്ളിൽ മരിക്കുന്നു. ജാഗ്രത: ഈ ലിഫ്ലെറ്റിൽ സൂചിപ്പിച്ചിരിക്കുന്ന വിളകൾക്ക് പുറമെ മറ്റു വിളകളിൽ പൈമെട്രോസിൻ 50% ഡബ്ല്യു.ഡബ്ല്യു.ജി. ഉപയോഗിക്കരുത്.

ശുപാർശ

		പ്രതി ഹെക്ടർ അളവ്				
വിള	കീടത്തിന്റെ സാധാരണ പേര്	സജീവ ഘടകം (ഗ്രാം)	തയ്യാറാക്കിയത് (മി.ലി.)	വെള്ളത്തിൽ കലർക്കുന്ന അളവ് (ലിറ്റർ)	അവസാന തളിക്കലിൽ നിന്ന് വിളവെടുപ്പ് വരെ കാത്തിരിക്കേണ്ട സമയം (ദിവസങ്ങൾ)	ഓരോ തളിക്കലിന് ശേഷം പുനഃപ്രവേശ സമയം (മണിക്കൂർ)
നെല്ല്	തവിട്ടുനിറമുള്ള തണ്ട് ഹോപ്പർ	150	300	500	19	-

ഉപയോഗത്തിനുള്ള നിർദ്ദേശങ്ങൾ
നിശ്ചിത അളവിലുള്ള കീടനാശിനി കുറച്ച് വെള്ളത്തിൽ കലക്കുക. നന്നായി ലയിച്ചതിന് ശേഷം ശേഷിക്കുന്ന വെള്ളം
ചേർത്ത് നന്നായി കലക്കണം. കീടങ്ങൾ കണ്ടുതുടങ്ങിയ ഉടൻ കീടനാശിനി പ്രയോഗിക്കണം; ആവശ്യമെങ്കിൽ
കീടങ്ങളുടെ സാന്നിധ്യം കണക്കിലെടുത്ത് വീണ്ടും സ്പ്രേ ചെയ്യണം. നാപ്സാക്ക് സ്പ്രേയർ ഉപയോഗിച്ച് തളിക്കുക. പരമാവധി രണ്ട് പ്രാവശ്യം മാത്രമേ തളിക്കാവൂ.
ആദ്യത്തെ തളിക്കൽ കീടാക്രമണം ആരംഭിക്കുമ്പോഴും സാമ്പത്തിക നഷ്ടനില (E.T.L.) എത്തുമ്പോഴും നടത്തണം.

പ്രയോഗ സമയം
താഴെ നൽകിയിരിക്കുന്ന ശുപാർശകൾ പ്രകാരം പൈമെട്രോസിൻ 50% ഡബ്ല്യു.ജി. ഉപയോഗിച്ചാൽ നെല്ല് വിളയിൽ കാണപ്പെടുന്ന ബ്രൗൺ പ്ലാന്റ് ഹോപ്പറെ ഫലപ്രദമായി നിയന്ത്രിക്കാം.

പ്രയോഗിക്കുന്നവർക്ക് വേണ്ട ജാഗ്രതകൾ
സ്പ്രേ ദ്രാവകം തയ്യാറാക്കുന്നതിനായി പാചകപാത്രങ്ങൾ ഉപയോഗിക്കരുത്. ദ്രാവകം കലക്കാൻ മരംകൊണ്ടുള്ള
കമ്പ് ഉപയോഗിക്കണം. ചർമ്മം, കണ്ണുകൾ, വായ് എന്നിവയ്ക്ക് കീടനാശിനി സ്പർശിക്കാതിരിക്കാൻ ശ്രദ്ധിക്കണം
മറ്റും ശ്വാസത്തിലൂടെ അകത്തു കടക്കുന്നത് ഒഴിവാക്കണം.
ഏപ്രൺ, കൈയുറ, മുഖാവരണം, ബൂട്ട് എന്നിവ പോലുള്ള സംരക്ഷണ വസ്ത്രങ്ങൾ ധരിച്ച ശേഷം മാത്രമേ ഉപയോഗിക്കാവൂ. കീടനാശിനി ഉപയോഗിക്കുന്ന സമയത്ത് ഭക്ഷണം കഴിക്കരുത്, കുടിക്കരുത്, പുകവലിക്കരുത്.
ഓരോ ദിവസവും പ്രയോഗത്തിനു ശേഷം കീടനാശിനി ബാധിച്ച ശരീരഭാഗങ്ങൾ നന്നായി കഴുകുകയും
വസ്ത്രങ്ങൾ മാറ്റുകയും വേണം. മലിനമായ വസ്ത്രങ്ങൾ സോപ്പ് ഉപയോഗിച്ച് നന്നായി കഴുകണം.

വിഷബാധയുടെ ലക്ഷണങ്ങൾ
ശരീരത്തിനുള്ളിൽ കൂടുതലായ അളവിൽ പ്രവേശിക്കാത്ത പക്ഷം ഗുരുതരമായ പൂർണ്ണവിഷബാധ സാധാരണയായി ഉണ്ടാകില്ല.
വിഷബാധയുണ്ടായാൽ താഴെപ്പറയുന്ന ലക്ഷണങ്ങൾ കാണാം: കണ്ണുകൾ, ചർമ്മം അല്ലെങ്കിൽ ശ്വാസനാളിയിൽ ചൊറിച്ചിൽ,
പ്രവർത്തനക്ഷമത കുറയുക, ദൗർബല്യം, കണ്ണുനീർ വരുക, ശ്വാസംമുട്ടൽ,
അഴുകിയ മല, ചുവന്ന നിറത്തിലുള്ള മൂത്രം, നടുക്കം, സ്പർശിക്കുമ്പോൾ തണുപ്പ് അനുഭവപ്പെടുക,
ചർമ്മത്തിൽ ചുവന്ന പുള്ളികൾ കാണപ്പെടുക എന്നിവ.

പ്രാഥമിക ചികിത്സ
ബാധിതനായ വ്യക്തിയെ മലിനമായ സ്ഥലത്തിൽ നിന്ന് മാറ്റി വായുസഞ്ചാരമുള്ള മുറിയിലേക്കോ
തുറന്ന സ്ഥലത്തിലേക്കോ കൊണ്ടുപോയി അധിക ചൂടിൽ നിന്ന് സംരക്ഷിക്കണം.
1). ചർമ്മത്തിൽ തട്ടിയാൽ: മലിനമായ വസ്ത്രങ്ങൾ അഴിച്ചു മാറ്റി ബാധിച്ച ഭാഗങ്ങൾ സോപ്പും വെള്ളവും ഉപയോഗിച്ച് നന്നായി കഴുകണം.
2). കണ്ണിൽ പറ്റിയാൽ: കുറച്ചു സമയം ശുദ്ധജലം ഉപയോഗിച്ച് കണ്ണുകൾ നന്നായി കഴുകണം.
3). വിഴുങ്ങിയാൽ: ഉടൻ ഡോക്ടറെ വിളിക്കണം.

കുറിപ്പ്: രോഗി ബോധരഹിതനായിരിക്കുകയാണെങ്കിൽ വായിലൂടെ ഒന്നും നൽകരുത്. ഛർദ്ദിപ്പിക്കാൻ ശ്രമിക്കരുത്.
വായ ശുദ്ധജലം ഉപയോഗിച്ച് കഴുകി, രോഗി ബോധവാനായിരിക്കുകയാണെങ്കിൽ 1 അല്ലെങ്കിൽ 2 ഗ്ലാസ് വെള്ളം കുടിക്കാൻ നൽകണം.

സസ്യ വിഷബാധ: സി. ഐ. ബി. മാർഗ്ഗനിർദേശങ്ങൾ കാണുക.

വിഷനാശിനി
പ്രത്യേകമായ വിഷനാശിനി ഇല്ല. ലക്ഷണങ്ങൾ അനുസരിച്ച് ചികിത്സ നൽകണം.

ശൂന്യ കണ്ടെയ്നറുകളുടെ നിക്ഷേപം
1). ശൂന്യ കണ്ടെയ്നറുകൾ മൃഗങ്ങളും മനുഷ്യരും താമസിക്കുന്ന സ്ഥലങ്ങളിൽ നിന്ന് അകലെയായി നശിപ്പിച്ച് മണ്ണിൽ അടക്കണം.
2). ശൂന്യ കണ്ടെയ്നറുകൾ പുറത്തുവെക്കരുത്, പുനരുപയോഗം നടക്കാതിരിക്കാൻ ശ്രദ്ധിക്കണം.
3). കണ്ടെയ്നറുകൾ, ശേഷിക്കുന്ന കീടനാശിനി, ശുചീകരണത്തിനുപയോഗിച്ച മറ്റ് വസ്തുക്കൾ എന്നിവ പരിസ്ഥിതി അഥവാ ജലം മലിനമാകാതിരിക്കാൻ ശ്രദ്ധാപൂർവ്വം വേറിട്ട സ്ഥലത്ത് നിക്ഷേപിക്കണം.

സംഭരണ വ്യവസ്ഥകൾ
1). കീടനാശിനി കണ്ടെയ്നറുകൾ വേറിട്ട മുറികളിൽ സൂക്ഷിക്കണം, മറ്റ് വസ്തുക്കൾ സൂക്ഷിക്കുന്ന സ്ഥലങ്ങളിൽ നിന്ന് അകലെയായി വയ്ക്കണം.
കീടനാശിനിയുടെ ഭാരംയും അളവും അനുസരിച്ച് പൂട്ടിയ അലമാരയിൽ സംഭരിക്കണം.
2). കീടനാശിനി സൂക്ഷിക്കുന്ന മുറി അല്ലെങ്കിൽ സ്ഥലം വരണ്ടതും വായുസഞ്ചാരമുള്ളതും മതിയായ വലിപ്പമുള്ളതുമായിരിക്കണം,
അതുവഴി വാഷ്പം മൂലം മലിനീകരണം ഉണ്ടാകാതിരിക്കാൻ ശ്രദ്ധിക്കണം."

രാസഘടന

ക്ര. നമ്പർ	ഘടകത്തിന്റെ വിവരണം	അളവ്
1	പൈമെട്രോസിൻ (സജീവ ഘടകം)	50.00% ഭാ/ഭാ
2	ലിഗ്നോസൾഫോണിക് ആസിഡ് സോഡിയം ലവണം	10.00% ഭാ/ഭാ
3	ഡൈബ്യൂട്ടൈൽ നാഫ്തലീൻ സൾഫോണിക് ആസിഡ് സോഡിയം ലവണത്തിന്റെ ഐസോമറുകളുടെ മിശ്രണം	05.00% ഭാ/ഭാ
4	പോളിഡൈമെത്തിൽസിലോക്സേൻ (നുരയടയുന്ന ഏജന്റ്)	00.20% ഭാ/ഭാ
5	സോഡിയം സൾഫേറ്റ് (വാഹകം)	05.00% ഭാ/ഭാ
6	യൂറിയ, ഫോർമാൽഡിഹൈഡുമായി ചേർന്ന പോളിമർ	10.00% ഭാ/ഭാ
7	സിലിക്കം ഓക്സൈഡ്	ആവശ്യത്തിന്
	ആകെ	100% ഭാ/ഭാ

ജാഗ്രത: ഈ ലിഫ്ലറ്റിൽ വ്യക്തമാക്കിയ വിളകൾ ഒഴികെയുള്ള മറ്റ് വിളകളിൽ ഉപയോഗിക്കരുത്.

Malayalam

ಪೈಮೆಟ್ರೋಜಿನ್ 50% ಡಬ್ಲ್ಯೂ. ಜಿ.
(ಕೀಟನಾಶಕ)

ಪೈಮೆಟ್ರೋಜಿನ್ 50% ಡಬ್ಲ್ಯೂ.ಜಿ. ಒಂದು ಅಂತರಪ್ರವಾಹಿ ಕೀಟನಾಶಕವಾಗಿದೆ. ಪೈಮೆಟ್ರೋಜಿನ್ 50% ಡಬ್ಲ್ಯೂ.ಡಬ್ಲ್ಯೂ.ಜಿ. ಅನ್ನು ಅಕ್ಕಿ ಬೆಳೆಯಲ್ಲಿ ಕಾಣಿಸುವ
ಕಂದು ಎಲೆ ಜಿಗುಟು (ಬ್ರೌನ್ ಪ್ಲಾಂಟ್ ಹಾಪರ್) ನಿಯಂತ್ರಣಕ್ಕಾಗಿ ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗಿದೆ. ಈ ಕೀಟನಾಶಕದ ನೇರ ಸಂಪರ್ಕಕ್ಕೆ ಬಾರದ ಕೀಟಗಳನ್ನೂ ಇದು ನಿಯಂತ್ರಿಸುತ್ತದೆ. ಕೀಟಗಳು ಸಿಂಪಡಣೆಯ ಸಂಪರ್ಕಕ್ಕೆ ಬಂದ ತಕ್ಷಣ ಆಹಾರ ಸೇವನೆಯನ್ನು ನಿಲ್ಲಿಸಿ ಕೆಲವು ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಸಾಯುತ್ತವೆ. ಎಚ್ಚರಿಕೆ: ಪೈಮೆಟ್ರೋಜಿನ್ 50% ಡಬ್ಲ್ಯೂ.ಡಬ್ಲ್ಯೂ.ಜಿ. ಅನ್ನು ಈ ಲೀಫ್ಲೆಟ್‌ನಲ್ಲಿ ಸೂಚಿಸಿರುವ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಹೊರತುಪಡಿಸಿ ಇತರ ಯಾವುದೇ ಬೆಳೆಗಳ ಮೇಲೆ ಬಳಸಬಾರದು."

ಶಿಫಾರಸು

		ಪ್ರತಿ ಹೆಕ್ಟರ್ ಪ್ರಮಾಣ				
ಬೆಳೆ	ಕೀಟದ ಸಾಮಾನ್ಯ ಹೆಸರು	ಕ್ರಿಯಾಶೀಲ ಅಂಶ (ಗ್ರಾಂ)	ಸಂಯೋಜನೆ (ಮಿ.ಲೀ.)	ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಕರಗಿಸುವ ಪ್ರಮಾಣ (ಲೀಟರ್)	ಕೊನೆಯ ಸಿಂಪಡಣೆಯಿಂದ ಕೊಯ್ಲುವರೆಗೆ ಕಾಯುವ ಅವಧಿ (ದಿನಗಳು)	ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಸಿಂಪಡಣೆಯ ನಂತರ ಮರುಪ್ರವೇಶ ಸಮಯ (ಗಂಟೆಗಳು)
ಭತ್ತ	ಕಂದು ಕಾಂಡ ಹಪ್ಪಳಿ	150	300	500	19	-

ಬಳಕೆಗೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ಸೂಚನೆಗಳು
ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಪ್ರಮಾಣದ ಕೀಟನಾಶಕವನ್ನು ಸ್ವಲ್ಪ ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಬೆರೆಸಿ. ಚೆನ್ನಾಗಿ ಕರಗಿದ ನಂತರ ಉಳಿದ ನೀರನ್ನು ಸೇರಿಸಿ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಕಲಸಿ.
ಕೀಟಗಳು ಕಾಣಿಸಿದ ತಕ್ಷಣ ಕೀಟನಾಶಕವನ್ನು ಬಳಸಿ ಮತ್ತು ಅಗತ್ಯವಿದ್ದರೆ ಕೀಟಗಳ ಇರುವಿಕೆಯನ್ನು ಆಧರಿಸಿ ಮರು ಸಿಂಪಡಣೆ ಮಾಡಿ.
ನ್ಯಾಪ್‌ಸ್ಯಾಕ್ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್ ಮೂಲಕ ಸಿಂಪಡಿಸಬೇಕು. ಗರಿಷ್ಠವಾಗಿ ಎರಡು ಬಾರಿ ಮಾತ್ರ ಸಿಂಪಡಣೆ ಮಾಡಬೇಕು.
ಮೊದಲ ಸಿಂಪಡಣೆ ಕೀಟಗಳ ಆಕ್ರಮಣ ಆರಂಭವಾಗುವಾಗ ಹಾಗೂ ಆರ್ಥಿಕ ನಷ್ಟ ಮಟ್ಟ (E.T.L.) ತಲುಪುವ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಮಾಡಬೇಕು.

ಬಳಕೆಯ ಸಮಯ
ಕೆಳಗೆ ನೀಡಿರುವ ಶಿಫಾರಸುಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಪೈಮೆಟ್ರೋಜಿನ್ 50% ಡಬ್ಲ್ಯೂ.ಜಿ. ಅನ್ನು ಬಳಸಿದರೆ ಅಕ್ಕಿ ಬೆಳೆಯಲ್ಲಿ ಕಾಣಿಸುವ
ಕಂದು ಎಲೆ ಜಿಗುಟನ್ನು ಪರಿಣಾಮಕಾರಿಯಾಗಿ ನಿಯಂತ್ರಿಸಬಹುದು.

ಬಳಕೆದಾರರಿಗಾಗಿ ಎಚ್ಚರಿಕೆಗಳು
ಸಿಂಪಡಣೆ ದ್ರಾವಣ ತಯಾರಿಸಲು ಅಡುಗೆ ಪಾತ್ರೆಗಳನ್ನು ಬಳಸಬಾರದು. ದ್ರಾವಣವನ್ನು ಕಲಸಲು ಮರದ ಕಡ್ಡಿಯನ್ನು ಬಳಸಬೇಕು.
ಚರ್ಮ, ಕಣ್ಣುಗಳು ಮತ್ತು ಬಾಯಿಗೆ ಕೀಟನಾಶಕ ಸ್ಪರ್ಶವಾಗದಂತೆ ನೋಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು ಹಾಗೂ ಉಸಿರಾಟದ ಮೂಲಕ ಒಳನುಗ್ಗುವುದನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಬೇಕು. ಏಪ್ರಾನ್, ಕೈಗವಸು, ಮುಖವಾಡ ಮತ್ತು ಬೂಟುಗಳಂತಹ ರಕ್ಷಣಾತ್ಮಕ ಉಡುಪುಗಳನ್ನು ಧರಿಸಿ ಮಾತ್ರ ಬಳಸಬೇಕು.
ಕೀಟನಾಶಕ ಬಳಕೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಊಟ, ಕುಡಿಯುವುದು ಮತ್ತು ಧೂಮಪಾನ ಮಾಡಬಾರದು. ಪ್ರತಿದಿನ ಬಳಕೆಯ ನಂತರ ಕೀಟನಾಶಕದಿಂದ ಪ್ರಭಾವಿತವಾದ ದೇಹದ ಭಾಗಗಳನ್ನು ಚೆನ್ನಾಗಿ ತೊಳೆಯಬೇಕು ಮತ್ತು ಬಟ್ಟೆಗಳನ್ನು ಬದಲಾಯಿಸಬೇಕು. ಮಲಿನಗೊಂಡ ಬಟ್ಟೆಗಳನ್ನು ಸಾಬೂನಿನಿಂದ ಚೆನ್ನಾಗಿ ತೊಳೆಯಬೇಕು.

ವಿಷದ ಲಕ್ಷಣಗಳು
ದೇಹದೊಳಗೆ ಹೆಚ್ಚಿನ ಪ್ರಮಾಣ ಪ್ರವೇಶಿಸದ ಹೊರತು ತೀವ್ರ ಸಂಪೂರ್ಣ ವಿಷ ಪರಿಣಾಮ ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಸಂಭವಿಸುವುದಿಲ್ಲ. ವಿಷ ಪರಿಣಾಮದ ಕೆಳಗಿನ ಲಕ್ಷಣಗಳು ಕಾಣಿಸಬಹುದು: ಕಣ್ಣುಗಳು, ಚರ್ಮ ಅಥವಾ ಉಸಿರಾಟದ ಮಾರ್ಗದಲ್ಲಿ ಉರಿ, ಕ್ರಿಯಾಶೀಲತೆ ಕಡಿಮೆಯಾಗುವುದು, ದುರ್ಬಲತೆ, ಕಣ್ಣು ನೀರು ಹರಿಯುವುದು, ಉಸಿರಾಟಕ್ಕೆ ತೊಂದರೆ, ಸಡಿಲ ಮಲ, ಕೆಂಪು ಬಣ್ಣದ ಮೂತ್ರ, ನಡುಗು, ಸ್ಪರ್ಶಿಸಿದಾಗ ಚಳಿ ಅನುಭವವಾಗುವುದು,
ಚರ್ಮದ ಮೇಲೆ ಕೆಂಪು ಗುಳ್ಳೆಗಳು ಕಾಣಿಸುವುದು ಮುಂತಾದವು.

ಪ್ರಾಥಮಿಕ ಚಿಕಿತ್ಸೆ
ಪ್ರಭಾವಿತ ವ್ಯಕ್ತಿಯನ್ನು ಮಲಿನ ಪ್ರದೇಶದಿಂದ ದೂರವಾಗಿ ಗಾಳಿಚಲನೆಯಿರುವ ಕೊಠಡಿಗೆ ಅಥವಾ
ತೆರೆದ ವಾತಾವರಣಕ್ಕೆ ಕರೆದೊಯ್ದು ಅಧಿಕ ಉಷ್ಣತೆಯಿಂದ ರಕ್ಷಿಸಬೇಕು.
1). ಚರ್ಮದ ಮೇಲೆ ಬಿದ್ದರೆ: ಮಲಿನಗೊಂಡ ಬಟ್ಟೆಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಹಾಕಿ, ಪ್ರಭಾವಿತ ಭಾಗಗಳನ್ನು ಸಾಬೂನು ಮತ್ತು ನೀರಿನಿಂದ ಚೆನ್ನಾಗಿ ತೊಳೆಯಬೇಕು.
2). ಕಣ್ಣಿಗೆ ಬಿದ್ದರೆ: ಸ್ವಚ್ಛ ನೀರಿನಿಂದ ಕೆಲವು ಸಮಯ ಕಣ್ಣುಗಳನ್ನು ಚೆನ್ನಾಗಿ ತೊಳೆಯಬೇಕು.
3). ನುಂಗಿದ್ದರೆ: ತಕ್ಷಣ ವೈದ್ಯರನ್ನು ಕರೆಸಬೇಕು.

ಸೂಚನೆ: ರೋಗಿ ಅಚೇತನವಾಗಿದ್ದರೆ ಬಾಯಿಯಿಂದ ಯಾವುದನ್ನೂ ನೀಡಬಾರದು. ವಾಂತಿ ಮಾಡಿಸಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸಬಾರದು.
ಬಾಯಿಯನ್ನು ನೀರಿನಿಂದ ತೊಳೆಯಿಸಿ, ರೋಗಿ ಜಾಗೃತನಾಗಿದ್ದರೆ 1 ಅಥವಾ 2 ಗ್ಲಾಸ್ ನೀರು ಕುಡಿಯಲು ನೀಡಬೇಕು.

ಸಸ್ಯ ವಿಷಕಾರಿತನ: ಸಿ.ಐ.ಬಿ. ಮಾರ್ಗಸೂಚಿಗಳನ್ನು ಅನುಸರಿಸಬೇಕು.

ವಿಷನಾಶಕ
ಯಾವುದೇ ವಿಶೇಷ ವಿಷನಾಶಕ ಲಭ್ಯವಿಲ್ಲ. ಲಕ್ಷಣಗಳ ಆಧಾರದ ಮೇಲೆ ಚಿಕಿತ್ಸೆ ನೀಡಬೇಕು.

ಖಾಲಿ ಡಬ್ಬಿಗಳ ವಿಲೇವಾರಿ
1). ಖಾಲಿ ಡಬ್ಬಿಗಳನ್ನು ಪ್ರಾಣಿಗಳು ಮತ್ತು ಮಾನವರು ವಾಸಿಸುವ ಸ್ಥಳಗಳಿಂದ ದೂರವಾಗಿ ನಾಶ ಮಾಡಿ ನೆಲದಲ್ಲಿ ಹೂಳಬೇಕು.
2). ಖಾಲಿ ಡಬ್ಬಿಗಳನ್ನು ಹೊರಗೆ ಬಿಡಬಾರದು, ಮರುಬಳಕೆ ಆಗದಂತೆ ನೋಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
3). ಡಬ್ಬಿಗಳು, ಉಳಿದ ಕೀಟನಾಶಕ ಮತ್ತು ಸ್ವಚ್ಛಗೊಳಿಸಲು ಬಳಸಿದ ಇತರೆ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ಪರಿಸರ
ಅಥವಾ ನೀರು ಮಾಲಿನ್ಯಗೊಳ್ಳದಂತೆ ಎಚ್ಚರಿಕೆಯಿಂದ ಬೇರೆ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ವಿಲೇವಾರಿ ಮಾಡಬೇಕು.

ಸಂಗ್ರಹಣೆಯ ಷರತ್ತುಗಳು
1). ಕೀಟನಾಶಕ ಡಬ್ಬಿಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯೇಕ ಕೊಠಡಿಗಳಲ್ಲಿ ಇಟ್ಟು, ಇತರೆ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ಇಡುವ ಸ್ಥಳಗಳಿಂದ ದೂರವಿಡಬೇಕು.
ಕೀಟನಾಶಕದ ತೂಕ ಮತ್ತು ಪ್ರಮಾಣಕ್ಕೆ ಅನುಗುಣವಾಗಿ ಬೀಗ ಹಾಕಿದ ಅಲಮಾರಿಯಲ್ಲಿ ಸಂಗ್ರಹಿಸಬೇಕು.
2). ಕೀಟನಾಶಕ ಸಂಗ್ರಹಿಸುವ ಕೊಠಡಿ ಅಥವಾ ಸ್ಥಳ ಒಣವಾಗಿದ್ದು, ಗಾಳಿಚಲನೆಯಿರುವ ಮತ್ತು ಸಾಕಷ್ಟು ವಿಸ್ತಾರ ಹೊಂದಿರಬೇಕು,
ಅದರಿಂದ ವಾಯುವಿನ ಕಾರಣದಿಂದ ಮಾಲಿನ್ಯವಾಗದಂತೆ ನೋಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು."

ರಾಸಾಯನಿಕ ಸಂಯೋಜನೆ

ಕ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆ	ಘಟಕ ವಿವರಣೆ	ಪ್ರಮಾಣ
1	ಪೈಮೆಟ್ರೋಜಿನ್ (ಕ್ರಿಯಾಶೀಲ ಅಂಶ)	50.00% ಭಾ/ಭಾ
2	ಲಿಗ್ನೋಸಲ್ಫೋನಿಕ್ ಆಮ್ಲ ಸೋಡಿಯಂ ಉಪ್ಪು	10.00% ಭಾ/ಭಾ
3	ಡೈಬ್ಯೂಟೈಲ್ ನಾಫ್ಥಲೀನ್ ಸಲ್ಫೋನಿಕ್ ಆಮ್ಲ ಸೋಡಿಯಂ ಉಪ್ಪಿನ ಐಸೋಮರ್‌ಗಳ ಮಿಶ್ರಣ	05.00% ಭಾ/ಭಾ
4	ಪಾಲಿಡೈಮೆಥಿಲ್‌ಸಿಲೋಕ್ಸೇನ್ (ನುರಿ ತಡೆಯುವ ಏಜೆಂಟ್)	00.20% ಭಾ/ಭಾ
5	ಸೋಡಿಯಂ ಸಲ್ಫೇಟ್ (ವಾಹಕ)	05.00% ಭಾ/ಭಾ
6	ಯೂರಿಯಾ, ಫಾರ್ಮಾಲ್ಡಿಹೈಡ್ ಜೊತೆಯ ಪಾಲಿಮರ್	10.00% ಭಾ/ಭಾ
7	ಸಿಲಿಕಂ ಆಕ್ಸೈಡ್	ಅಗತ್ಯ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ
	ಒಟ್ಟು	100% ಭಾ/ಭಾ

ಎಚ್ಚರಿಕೆ: ಈ ಲಿಫ್ಲೆಟ್‌ನಲ್ಲಿ ಸೂಚಿಸಿದ ಬೆಳೆಗಳ ಹೊರತಾಗಿ ಇತರ ಬೆಳೆಗಳಲ್ಲಿ ಬಳಸಬಾರದು.

Kannada

பைமெட்ரோசின் 50% டபிள்யூ. ஜி.
(பூச்சிக்கொல்லி)

பைமெட்ரோசின் 50% டபிள்யூ.ஜி. ஒரு இடம்பெயரும் (அந்தர்பிரவாகி) பூச்சிக்கொல்லியாகும். பைமெட்ரோசின் 50% டபிள்யூ.டபிள்யூ.ஜி.
நெல் பயிரில் தாக்கம் ஏற்படுத்தும் பழுப்பு இலை தாவும் பூச்சி (பிரவுன் பிளான்ட் ஹாப்பர்) கட்டுப்பாட்டிற்காக பரிந்துரைக்கப்படுகிறது. இந்த பூச்சிக்கொல்லியுடன் நேரடியாக தொடர்பு கொள்ளாத பூச்சிகளையும் இது கட்டுப்படுத்துகிறது. பூச்சிகள் தெளிப்புடன் தொடர்பு கொண்டவுடன்
உணவு எடுத்துக்கொள்வதை நிறுத்தி சில நாட்களில் இறந்து விடுகின்றன. எச்சரிக்கை: பைமெட்ரோசின் 50% டபிள்யூ.டபிள்யூ.ஜி. இந்த லீஃப்லெட்-இல் குறிப்பிடப்பட்டுள்ள பயிர்களைத் தவிர மற்ற எந்த பயிர்களிலும் பயன்படுத்தக்கூடாது."

பரிந்துரை

		ஹெக்டேருக்கு அளவு				
பயிர்	பூச்சியின் பொதுப் பெயர்	செயலில் உள்ள பொருள் (கிராம்)	தயாரிப்பு (மி.லி.)	நீரில் கரைக்கும் அளவு (லிட்டர்)	கடைசி தெளிப்பிலிருந்து அறுவடை வரை காத்திருக்கும் காலம் (நாட்கள்)	ஒவ்வொரு தெளிப்பிற்குப் பின் மீண்டும் நுழைவு நேரம் (மணி)
நெல்	பழுப்பு தண்டு தத்துப்பூச்சி	150	300	500	19	24

பயன்பாட்டிற்கான வழிமுறைகள்
பூச்சிக்கொல்லியின் நிர்ணயிக்கப்பட்ட அளவை சிறிதளவு நீரில் கலந்து நன்றாக கரையச் செய்யவும். முழுமையாக கரைந்த பிறகு மீதமுள்ள
நீரை சேர்த்து நன்றாக கலக்கவும். பூச்சிகள் காணப்படும் உடனே பூச்சிக்கொல்லியை பயன்படுத்தவும்; தேவையெனில் அதன் பின்னர்
பூச்சிகளின் இருப்பை கருத்தில் கொண்டு மீண்டும் தெளிக்கவும். நாப்சாக் தெளிப்பான் மூலம் தெளிக்கவும். அதிகபட்சம் இரண்டு முறை மட்டும் தெளிக்க வேண்டும். முதல் தெளிப்பு பூச்சி தாக்கம் தொடங்கும் போது மற்றும் பொருளாதார சேத அளவு (E.T.L.) அடையும் நிலையில் செய்ய வேண்டும்.

பயன்பாட்டு காலம்
கீழே கொடுக்கப்பட்டுள்ள பரிந்துரைகளின்படி பைமெட்ரோசின் 50% டபிள்யூ.ஜி. பயன்படுத்தினால் நெல் பயிரில் தாக்கம் ஏற்படுத்தும்
பழுப்பு இலை தாவும் பூச்சியை திறம்பட கட்டுப்படுத்தலாம்.

பயன்படுத்துவோருக்கான எச்சரிக்கைகள்
தெளிப்பு திரவம் தயாரிக்க சமையல் பாத்திரங்களை பயன்படுத்தக்கூடாது. தெளிப்பு கலவையை கலக்க மரக்குச்சி பயன்படுத்த வேண்டும்.
பூச்சிக்கொல்லி தோல், கண்கள் மற்றும் வாயுடன் தொடர்பு கொள்ளாமல் பார்த்துக்கொள்ளவும்; மூச்சு வழியாக உட்புகுவதைத் தவிர்க்கவும். அப்ரன், கையுறை, முககவசம் மற்றும் பூட்ஸ் போன்ற பாதுகாப்பு உடைகளை அணிந்து மட்டுமே பயன்படுத்த வேண்டும். பூச்சிக்கொல்லி பயன்படுத்தும் போது உணவு உட்கொள்வது, தண்ணீர் குடிப்பது மற்றும் புகைபிடித்தல் கூடாது. தினமும் பயன்பாட்டிற்குப் பிறகு பூச்சிக்கொல்லி பட்ட உடல் பகுதிகளை நன்றாக கழுவி, உடைகளை மாற்றிக்கொள்ள வேண்டும். மாசடைந்த உடைகளை சோப்பால் நன்றாக கழுவ வேண்டும்.

விஷத்தன்மையின் அறிகுறிகள்
உடலுக்குள் அதிக அளவு செல்லாத வரை தீவிரமான முழு உடல் விஷத்தன்மை பொதுவாக ஏற்படாது. விஷத்தன்மையின் கீழ்க்கண்ட அறிகுறிகள் தோன்றலாம்: கண்கள், தோல் அல்லது மூச்சுக்குழாயில் எரிச்சல், செயல்திறன் குறைதல், பலவீனம், கண்களில் நீர் வடிதல், மூச்சு விடுவதில் சிரமம், தளர்ந்த மலச்சிக்கல், சிவப்பு நிற சிறுநீர், நடுக்கம், தொடும்போது குளிராக உணர்தல், தோலில் சிவப்பு புள்ளிகள் தோன்றுதல் போன்றவை.

முதன்மை சிகிச்சை
பாதிக்கப்பட்ட நபரை மாசடைந்த இடத்திலிருந்து விலக்கி காற்றோட்டம் உள்ள அறை அல்லது திறந்த வெளிக்குக் கொண்டு செல்லவும்
மற்றும் அதிக வெப்பத்திலிருந்து பாதுகாக்கவும்.
1). தோலில் பட்டால்: மாசடைந்த உடைகளை அகற்றி, பாதிக்கப்பட்ட பகுதிகளை சோப்பு மற்றும் தண்ணீரால் நன்றாக கழுவவும்.
2). கண்களில் சென்றால்: சில நேரம் சுத்தமான தண்ணீரால் கண்களை நன்றாக கழுவவும்.
3). விழுங்கினால்: உடனடியாக மருத்துவரை அழைக்கவும்.

குறிப்பு: நோயாளி மயக்க நிலையில் இருந்தால் வாய்மூலம் எதையும் வழங்கக்கூடாது. வாந்தி எடுக்க முயற்சிக்கக்கூடாது.
வாயை தண்ணீரால் கழுவி, நோயாளி விழிப்புடன் இருந்தால் 1 அல்லது 2 கண்ணாடி தண்ணீர் குடிக்க வழங்கவும்.

தாவர விஷத்தன்மை: சி.ஐ.பி. வழிகாட்டுதல்களை 참고 செய்யவும்.

விஷநாசி
குறிப்பிட்ட எந்த விஷநாசியும் இல்லை. அறிகுறிகளின் அடிப்படையில் சிகிச்சை அளிக்க வேண்டும்.

காலியான தொட்டிகளின் அகற்றம்
1). காலியான தொட்டிகளை மிருகங்களும் மனிதர்கள் வசிக்கும் இடங்களிலிருந்து தூரத்தில் அழித்து மண்ணில் புதைக்க வேண்டும்.
2). காலியான தொட்டிகளை வெளியில் வைக்கக்கூடாது; மறுபயன்பாடு செய்யப்படாதவாறு கவனிக்க வேண்டும்.
3). தொட்டிகள், மீதமுள்ள பூச்சிக்கொல்லி மற்றும் சுத்தம் செய்ய பயன்படுத்திய பிற பொருட்களை சுற்றுச்சூழல் அல்லது நீர் மாசடையாதவாறு கவனமாக தனியாக அகற்ற வேண்டும்.

சேமிப்பு நிபந்தனைகள்
1). பூச்சிக்கொல்லி தொட்டிகளை தனித்தனி அறைகளில் வைத்து, பிற பொருட்கள் சேமிக்கும் இடங்களிலிருந்து தூரத்தில் வைக்க வேண்டும்.
பூச்சிக்கொல்லியின் எடை மற்றும் அளவுக்கேற்ற வகையில் பூட்டப்பட்ட அலமாரியில் சேமிக்க வேண்டும்.
2). பூச்சிக்கொல்லி சேமிக்கும் அறை அல்லது இடம் உலர்ந்ததாக, காற்றோட்டம் உள்ளதாக மற்றும் போதிய அளவு கொண்டதாக இருக்க வேண்டும்,
அவ்வாறு இல்லையெனில் வாயு காரணமாக மாசுபாடு ஏற்படலாம்."

வேதியியல் கலவை

வரிசை எண்	கூறின் விளக்கம்	அளவு
1	பைமெட்ரோசின் (செயல்படும் கூறு)	50.00% வ/வ
2	லிக்னோசல்போனிக் அமில சோடியம் உப்பு	10.00% வ/வ
3	டைப்யூட்டில் நாப்தலீன் சல்போனிக் அமில சோடியம் உப்பு ஐசோமர்கள் கலவை	05.00% வ/வ
4	பாலிடைமெத்தில் சிலோக்சேன் (நுரைத் தடுப்பான்)	00.20% வ/வ
5	சோடியம் சல்பேட் (கேரியர்)	05.00% வ/வ
6	யூரியா, ஃபார்மால்டிஹைடுடன் கூடிய பாலிமர்	10.00% வ/வ
7	சிலிகம் ஆக்சைடு	தேவையான அளவு
	மொத்தம்	100% வ/வ

எச்சரிக்கை: இந்த துண்டுப் பிரசுரத்தில் குறிப்பிடப்பட்ட பயிர்களைத் தவிர பிற பயிர்களில் பயன்படுத்த வேண்டாம்.

Tamil

పైమెట్రోజిన్ 50% డబ్ల్యూ. జి.
(కీటకనాశకం)

పైమెట్రోజిన్ 50% డబ్ల్యూ.జి. ఒక అంతఃప్రవాహి కీటకనాశకం. పైమెట్రోజిన్ 50% డబ్ల్యూ.డబ్ల్యూ.జి. ను వరి పంటలో కనిపించే
గోధుమ రంగు ఆకు తేనెటీగ (బ్రౌన్ ప్లాంట్ హాపర్) నియంత్రణ కోసం సిఫారసు చేయబడింది. ఈ కీటకనాశకంతో నేరుగా సంపర్కంలోకి రాని కీటకాలను కూడా ఇది నియంత్రిస్తుంది. కీటకాలు పిచికారీతో సంపర్కంలోకి వచ్చిన వెంటనే ఆహారం తీసుకోవడం మానేసి కొన్ని రోజులలో మరణిస్తాయి. జాగ్రత్త: పైమెట్రోజిన్ 50% డబ్ల్యూ.డబ్ల్యూ.జి. ను ఈ లీఫ్‌లెట్‌లో సూచించిన పంటలు తప్ప ఇతర పంటలపై వాడకూడదు."

సిఫారసు

		హెక్టరుకు మోతాదు				
పంట	కీటకపు సాధారణ పేరు	క్రియాశీల పదార్థం (గ్రామ్)	తయారీ (మి.లీ.)	నీటిలో కలపాల్సిన పరిమాణం (లీటర్)	చివరి పిచికారీ నుండి కోత వరకు వేచిచూడే కాలం (రోజులు)	ప్రతి పిచికారీ తరువాత పునఃప్రవేశ సమయం (గంటలు)
వరి	గోధుమరంగు తుంగ పుచ్చి	150	300	500	19	-

వాడుకకు సంబంధించిన సూచనలు
నిరేశిత పరిమాణంలోని కీటకనాశకాన్ని కొద్దిపాటి నీటిలో కలపండి. బాగా కరిగిన తరువాత మిగిలిన నీటిని
జోడించి బాగా కలపాలి. కీటకాలు కనిపించిన వెంటనే కీటకనాశకాన్ని వాడాలి మరియు అవసరమైతే
కీటకాల ఉనికి ఆధారంగా మళ్లీ పిచికారీ చేయాలి.
నాప్‌సాక్ స్ప్రేయర్ ద్వారా పిచికారీ చేయాలి. గరిష్టంగా రెండు సార్లు మాత్రమే పిచికారీ చేయాలి.
మొదటి పిచికారీ కీటక దాడి ప్రారంభమైనప్పుడు మరియు ఆర్థిక నష్టం స్థాయి (E.T.L.) చేరుకున్నప్పుడు చేయాలి.

ప్రయోగ కాలం
క్రింద ఇవ్వబడిన సిఫారసుల ప్రకారం పైమెట్రోజిన్ 50% డబ్ల్యూ.జి. ను వాడితే వరి పంటలో కనిపించే గోధుమ రంగు ఆకు తేనెటీగను సమర్థవంతంగా నియంత్రించవచ్చు.

ప్రయోగకర్తల కోసం జాగ్రత్తలు
పిచికారీ ద్రావణం తయారు చేయడానికి వంట పాత్రలను ఉపయోగించకూడదు. ద్రావణాన్ని కలపడానికి
చెక్క కర్రను ఉపయోగించాలి. చర్మం, కళ్ళు మరియు నోటి మీద కీటకనాశక సంపర్కం జరగకుండా చూడాలి మరియు శ్వాస ద్వారా లోపలికి వెళ్లకుండా నివారించాలి. ఏప్రాన్, గ్లౌజులు, మాస్క్ మరియు బూట్లు వంటి రక్షణ వస్త్రాలు ధరించి మాత్రమే వాడాలి. కీటకనాశకం వాడుతున్నప్పుడు తినడం, త్రాగడం మరియు పొగ త్రాగడం చేయకూడదు. ప్రతి రోజు వాడకం తరువాత కీటకనాశకంతో ప్రభావితమైన శరీర భాగాలను
బాగా కడగాలి మరియు బట్టలను మార్చుకోవాలి. కలుషితమైన బట్టలను సబ్బుతో బాగా కడగాలి.

విష ప్రభావ లక్షణాలు
శరీరంలో అధిక మోతాదులో ప్రవేశించని వరకు తీవ్రమైన సంపూర్ణ విష ప్రభావం సాధారణంగా ఉండదు. విష ప్రభావానికి కింది లక్షణాలు కనిపించవచ్చు: కళ్ళు, చర్మం లేదా శ్వాసనాళంలో మండటం, క్రియాశీలత తగ్గడం, బలహీనత, కళ్ళలో నీరు రావడం, శ్వాస తీసుకోవడంలో ఇబ్బంది, వదులైన మలం, ఎరుపు రంగు మూత్రం, వణుకు రావడం, తాకినప్పుడు చల్లగా అనిపించడం, చర్మంపై ఎర్ర మచ్చలు రావడం మొదలైనవి.

ప్రాథమిక చికిత్స
ప్రభావిత వ్యక్తిని కలుషిత ప్రాంతం నుండి దూరంగా, గాలి ప్రసరణ ఉన్న గదికి లేదా
బయటి వాతావరణానికి తీసుకెళ్లి అధిక ఉష్ణోగ్రత నుండి రక్షించాలి.
1). చర్మంపై పడితే: కలుషితమైన బట్టలను తొలగించి, ప్రభావిత భాగాలను సబ్బు మరియు నీటితో బాగా కడగాలి.
2). కళ్లలోకి వెళ్లితే: కొంతసేపు శుభ్రమైన నీటితో కళ్లను బాగా కడగాలి.
3). మింగినట్లయితే: వెంటనే వైద్యుడిని పిలవాలి.

గమనిక: రోగి స్పృహలో లేకపోతే నోటిద్వారా ఏదీ ఇవ్వకూడదు. వాంతి చేయించేందుకు ప్రయత్నించకూడదు. నోటిని నీటితో కడిగి, రోగి స్పృహలో ఉంటే 1 లేదా 2 గ్లాసుల నీరు త్రాగించాలి.

మొక్కల విష ప్రభావం: సి.ఐ.బి. మార్గదర్శకాలను అనుసరించాలి.

విష నివారకం
ప్రత్యేకమైన విష నివారకం లేదు. లక్షణాల ఆధారంగా చికిత్స చేయాలి.

ఖాళీ డబ్బాల నిర్వహణ
1). ఖాళీ డబ్బాలను జంతువులు మరియు మనుషులు నివసించే ప్రాంతాల నుండి దూరంగా నాశనం చేసి మట్టిలో పూడ్చాలి.
2). ఖాళీ డబ్బాలను బయట వదిలిపెట్టకూడదు, తద్వారా మళ్లీ వాడుక జరగదు.
3). డబ్బాలు, మిగిలిన కీటకనాశకం మరియు శుభ్రపరిచే ఇతర పదార్థాలను పర్యావరణం లేదా నీరు కలుషితం కాకుండా జాగ్రత్తగా వేరే చోట పారవేయాలి.

నిల్వ నిబంధనలు
1). కీటకనాశక డబ్బాలను వేరు గదుల్లో ఉంచాలి మరియు ఇతర వస్తువులు ఉంచే ప్రాంతాల నుండి దూరంగా ఉంచాలి. కీటకనాశక బరువు మరియు పరిమాణాన్ని బట్టి తాళం వేసిన అల్మారీలో నిల్వ చేయాలి.
2). కీటకనాశకం నిల్వ చేసే గది లేదా స్థలం పొడిగా, గాలి ప్రవాహం ఉండేలా మరియు తగిన పరిమాణంలో ఉండాలి, లేదా వాయువుల వల్ల కలుషితం కాకుండా ఉండాలి.

రసాయన సంయోజనము

క్రమ సంఖ్య	ఘటక వివరణ	మోతాదు
1	పైమెట్రోజిన్ (క్రియాశీల పదార్థం)	50.00% భా/భా
2	లిగ్నోసల్ఫోనిక్ ఆమ్లం సోడియం ఉప్పు	10.00% భా/భా
3	డైబ్యూటైల్ నాఫ్థలీన్ సల్ఫోనిక్ ఆమ్లం సోడియం ఉప్పు ఐసోమర్ల మిశ్రమం	05.00% భా/భా
4	పాలీడైమెథిల్‌సిలోక్సేన్ (నురుగు నిరోధక ఏజెంట్)	00.20% భా/భా
5	సోడియం సల్ఫేట్ (వాహకం)	05.00% భా/భా
6	యూరియా, ఫార్మాల్డిహైడ్‌తో కూడిన పాలిమర్	10.00% భా/భా
7	సిలికం ఆక్సైడ్	అవసరమైన మేరకు
	మొత్తం	100% భా/భా

హెచ్చరిక: ఈ లీఫ్‌లెట్‌లో పేర్కొన్న పంటలకతీతంగా ఇతర పంటలపై ఉపయోగించవద్దు.

Telugu